● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 मोदी की है गारंटी, पूर्णियावासियों की हर उम्मीदें और मांगे होंगी पूरी: संतोष कुशवाहा

04 एसएनएस कॉलेज के छात्रों को खिलाई गईं सर्वजन दवा

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बुधवार, 13 मार्च 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 05, अंक: 14

सीएए के साथ भाजपा का एक और संकल्प पूरा: ठाकुर

चंडीगढ़/नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने भारतीय जनता पार्टी को संकल्पों को पूरा करने वाली पार्टी बताया है और सीएए को भी उसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है।

अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचाया है। हमने अनुच्छेद 370 और 35 ए से मुक्ति दिलाने का वादा किया था, तो दिला दिया। आज कश्मीर में शांति व खुशहाली है और उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिला है। हमने ट्रिपल तलाक से मुस्लिम माताओं बहनों को आजादी दिलाई। हमने कहा था भव्य राम मंदिर बनाएंगे, तो राम मंदिर के साथ-साथ सोमनाथ धाम, केदारनाथ

धाम, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक और बुद्ध सर्किट इत्यादि बना दिए। हमने कहा था कि हम सीएए लागू करेंगे ताकि अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देश में पीड़ित अल्पसंख्यकों को यहां नागरिकता मिल सके। उन्होंने कहा कि सीएए के लागू होने के बाद उन लोगों को फायदा होगा, जिन्हें नागरिकता के लिए 70 वर्षों तक का भी इंतजार करना पड़ा है। क्या यह उनका अधिकार नहीं है? विपक्ष आखिर क्यों उनके अधिकार छीनने के पीछे लगा है?

मुस्लिम संगठनों CAA लागू करने का विरोध किया

नई दिल्ली। देश के बड़े मुस्लिम संगठनों और बुद्धिजीवी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लोक सभा चुनाव से पूर्व लागू किए जाने का विरोध किया है। संयुक्त बयान में उन्होंने कहा है कि हम समानता और न्याय के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर करने वाले भेदभावपूर्ण कानून के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए एकीकृत रुख व्यक्त करने के लिए एकजुट होकर यह प्रेस वक्तव्य जारी कर रहे हैं। संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने वाले संगठनों के जिम्मेदारों व बुद्धिजीवियों में मौलाना महमूद असद मदनी अध्यक्ष जमीअत उलमा-ए-हिंद, सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी अमीर जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, मौलाना असगर इमाम मेहदी सलफी अमीर जमीअत अहल-ए-हदीस हिंद, मौलाना फैसल वली रहमानी अमीर इमारत-ए-शरीआ, मौलाना अनीसुर्रहमान कासमी उपाध्यक्ष ऑल इंडिया मिल्ली काउंसिल, मौलाना यासीन उस्मानी बदायूँनी उपाध्यक्ष ऑल इंडिया मिल्ली काउंसिल, मलिक मोतसिम खान उपाध्यक्ष जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, मोहम्मद सलीम इंजीनियर उपाध्यक्ष जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, मौलाना हकीमुद्दीन कासमी महासचिव जमीअत उलमा-ए-हिंद, डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास प्रवक्ता ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, मौलाना नियाज फारूकी, शेख मुजतबा फारूक, डॉ. जफरुल-इस्लाम खान पूर्व अध्यक्ष, दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग शामिल हैं।

480 करोड़ मूल्य के ड्रग्स के साथ 6 पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

पोरबंदर। पोरबंदर से करीब 350 किलोमीटर दूर अरब सागर में एक नौका से 480 करोड़ रुपये का ड्रग्स पकड़ा गया है। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस), कोस्टगार्ड और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की संयुक्त कार्रवाई में नौका में सवार 6 पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ा गया है। ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 480 करोड़ रुपये बताई गई है। एटीएस के पुलिस अधीक्षक सुनील जोशी ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पोरबंदर के समीप अरब सागर में ड्रग्स पाकिस्तान से हाजी मुस्तुफा ने भेजा था। यह जत्था पोरबंदर से दिल्ली या पंजाब भेजा जाना था। ड्रग्स समुद्र मार्ग से पोरबंदर या जखौ बंदरगाह पर उतारा जाना था। इसके बाद इसे सड़क मार्ग से भेजा जाता। बोट से ड्रग्स के 60 पैकेट मिले हैं। इसकी कीमत करीब 480 करोड़ रुपये बताई गई। एटीएस के अनुसार यह ड्रग्स अफगानिस्तान में तैयार होता है। इसके बाद इसे पाकिस्तान के रास्ते गुजरात के समुद्र मार्ग से भारत लाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार कोस्ट गार्ड को गुप्त सूचना मिली थी कि समुद्र के रास्ते देश में ड्रग्स लाया जा रहा है। इसके आधार पर कोस्टगार्ड ने अरब सागर में चक्रव्यूह तैयार कर संदिग्ध नौका पर निगरानी शुरू की। इसके अलावा कोस्ट गार्ड ने डोर्नियर एयरक्राफ्ट ने संदिग्ध क्षेत्र में बोटों का स्कैन करना शुरू किया। कोस्टगार्ड के प्रयासों से संदिग्ध बोट की पहचान कर कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद बोट को कब्जे में लेकर सभी सवारों को हिरासत में ले लिया गया। पिछले तीन साल में गुजरात की समुद्र सीमाओं से 517 किलो नार्कोटिक्स जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 3135 करोड़ है।

तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों के नए कार्यालय भवन का उद्घाटन करेंगे शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह कल (बुधवार को) नई दिल्ली में तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड(एनसीईएल) के नए कार्यालय भवन का उद्घाटन करेंगे। अब यह तीनों समितियां निर्बाध रूप से काम कर सकेंगी।

ये समितियां निर्यात, जैविक उत्पाद और बीज के क्षेत्र में काम कर रही हैं। तीनों समितियां प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसायटी (पैक्स) के माध्यम से किसानों से कृषि उपज और बीज खरीदेंगी, इससे पैक्स मजबूत होंगे

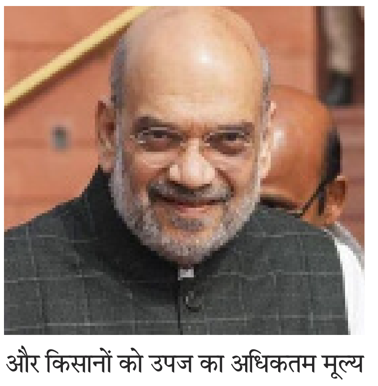

और किसानों को उपज का अधिकतम मूल्य मिलेगा। तीनों समितियां कृषि एवं संबंधित गतिविधियों से जुड़े लोगों का विकास सुनिश्चित करेंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय स्तर की तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों के गठन को मंजूरी दी है। यह समितियां निर्यात, जैविक उत्पाद और बीज के क्षेत्र में काम कर रही हैं और एमएससीएस अधिनियम 2002 के तहत पंजीकृत हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ल़सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में सहकारिता मंत्रालय की एक और महत्वपूर्ण पहल है।

सहकारिता मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक बीबीएसएसएल, एनसीओएल और एनसीईएल के लिए निर्धारित गतिविधियों में रुचि रखने वाली सभी स्तरों की सहकारी समितियां इसकी सदस्यता के लिए पात्र हैं, यानी पैक्स से एपीएसीएस तक सभी इसके सदस्य बन सकते हैं।

एसबीआई ने चुनाव आयोग को इलेक्टोरल बांड का ब्योरा सौंपा

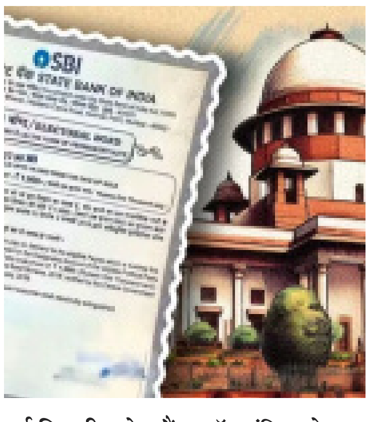

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मंगलवार को इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ा ब्योरा चुनाव आयोग को सौंपा। सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुपालन में बैंक ने यह जानकारी मुहैया कराई है। अब आयोग को 15 मार्च तक यह जानकारी सार्वजनिक करनी है। चुनाव आयोग का कहना है कि 15 फरवरी और 11 मार्च (2017 के डब्ल्यूपीसी नंबर 880 के मामले में) के आदेश में शामिल सुप्रीम कोर्ट के एसबीआई के निर्देशों के अनुपालन में चुनावी बांड पर डेटा चुनाव आयोग को आज (12 मार्च) स्टेट बैंक द्वारा प्रदान किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी जानकारी मंगलवार शाम तक चुनाव आयोग को देने के निर्देश दिए थे। पहले एसबीआई ने बांड और राजनीतिक दलों को लिंक करने वाली जानकारी देने के लिए समय मांगा था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि इलेक्टोरल बॉन्ड किसने खरीदा और किन पार्टियों ने इलेक्टोरल बांड प्राप्त किया इसकी जानकारी वे चुनाव आयोग को सौंप दें। अब आयोग को 15 मार्च तक यह जानकारी सार्वजनिक करनी है कि किस पार्टी को किससे कितना चंदा मिला है। सूत्रों का कहना है कि जानकारी अपरिपक्व स्थिति में है और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराने में समय लग सकता है।

मिशन 2024 असम से 12, गुजरात से 7, मप्र से 10, राजस्थान से 10, उत्तराखंड से 3 नाम शामिल

लोकसभा चुनाव: कांग्रेस ने 43 नामों की दूसरी सूची जारी की

बीएनएम@नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को आगामी लोकसभा चुनावों से जुड़ी उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की है।

इसमें 43 नाम हैं। असम से 12, गुजरात से 7, मध्यप्रदेश से 10, राजस्थान से 10, उत्तराखंड से 3 और दमन एवं दीव से एक नाम है। कांग्रेस की ओर से आज जारी किए गए नामों की सूची इस प्रकार हैं।

असम: कोकराझार - एसटी से गर्जन मशहरी, धुबरी से रकीबुल हुसैन, बारपेटा से दीप बायन, दरांग - उदलगुरी से माधव राजबंशी, गुवाहाटी से मीरा बारठाकुर गोस्वामी, डिफू-एसटी से जॉयराम एंगलेंग, करीमगंज से

हाफ़िज़ रशीद अहमद चौधरी, सिलचर-एससी से सूर्यकांत सरकार, नागांव से प्रद्युत बोरदोलोई, काजीरंगा से रोज़ेलिना तिर्की, सोनितपुर से प्रेम लाल गंजू और जोरहाट से गौरव गोगोई।

गुजरात: कच्छ-एससी नीतीशभाई लालन, बनासकांठा से जेनीबेन ठाकोर, अहमदाबाद पूर्व से रोहन गुप्ता, अहमदाबाद पश्चिम - एससी से भरत मकवाना, पोरबंदर से ललितभाई वसोया, बारडोली-एसटी से सिद्धार्थ चौधरी, वलसाड - एसटी से अनंतभाई पटेल।

मध्य प्रदेश: भिंड- एससी से फूल सिंह बरैया, टीकमगढ़- एससी से पंकज अहिरवार, सतना से सिद्धार्थ कुशवाह, सीधी से कमलेश्वर पटेल, मंडला एसटी से ओमकार सिंह मरकाम, छिंदवाड़ा से नकुलनाथ, देवास-एससी से राजेंद्र मालवीय धार- एसटी से राधेश्याम मुवेल, खरगोन एसटी से पोरलाल खरते, बेतुल-एसटी से रामू टेकाम।

राजस्थान: बीकानेर एससी से गोविंद राम मेघवाल, चूरू से राहुल कस्वां, झुंझुनूं से बृजेन्द्र ओला, भरतपुर- एससी संजना जाटव, टोंक- सवाई माधोपुर से हरीश चन्द्र मीना, जोधपुर से करण सिंह उचियारड़ास, जालौर से वैभव गहलोत, उदयपुर एसटी से ताराचंद मीना और चित्तौड़गढ़ से उदयलाल आंजना।

उत्तराखंड: टिहरी गढ़वाल से जोत सिंह गुंतसोला, गढ़वाल से गणेश गोदियाल और अल्मोडा एससी से प्रदीप टम्टा।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

दंगा फैलाने की राजनीति नहीं चलेगी: पप्पू यादव

बीएनएम@सहरसा

व्यवहार न्यायालय में मंगलवार को पेशी में आये पूर्व सांसद सह जाप राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने परिसदन में मीडिया प्रतिनिधियों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे कमजोर प्रधानमंत्री बताया। उन्होंने कहा कि तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए नरेंद्र मोदी तरह तरह के नये नये हथकंडे अपना रहे हैं।कभी राम के नाम पर तो कभी दलों को तोडकर जुगत बिठा रहे हैं लेकिन जब इसके बाद भी उन्हें जीतने की उम्मीद कम लगी तो

अब देश में नफरत फैलाने के लिए सीएए लागू किया है।

उन्होंने कहा कि सीएए कानून किसी की नागरिकता नहीं लेगा। यह देश में पूर्व से ही लागू है।इससे भाजपा के दंगा फैलाने की राजनीति भी नहीं चल पायेगी।तीसरी बार उनका प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब पूरा नहीं होगा।वे इतने डरे हुए हैं कि चुनाव आयोग के अधिकारी को इस्तीफा ले लिया। अब अपने मनमुताबिक चुनाव आयोग के अधिकारी की नियुक्ति करेंगे।

उन्होंने कहा कि उन्हें तो शंका है कि कही चुनाव को ही टाल ना दी जाय। उन्होंने कहा कि दस वर्ष में उन्होंने स्वीस बैंक मामले का पर्दाफाश तक नहीं कर सके।वही एलेक्ट्रॉल बांड के मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश के 26 दिन बाद भी एसबीआई इसकी जानकारी नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा में पूर्व के नेता को प्रधानमंत्री ने दर किनार कर दिया है। भाजपा में सब कांग्रेस के आदमी हैं।प्रधानमंत्री पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते थे।अब उन्हें नीतीश कुमार में अच्छाई नजर आ रही है। कभी उपेंद्र कुशवाहा को साइड कर दिया था।अब वो फिर अच्छे लगने लगे।

उन्होंने कहा कि देश का मिजाज लगता है कि लोग नरेंद्र मोदी को तीसरी बार लाना नहीं चाहते हैं। मौके पर जिलाध्यक्ष रंजन यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष महबूब आलम जीबू सहित अन्य मौजूद थे।

विकसित भारत के लिए आधुनिक रेलवे का पीएम ने किया शिलान्यास

भागलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा मंगलवार को रेलवे के कई कारखाने, कई रेल खंडों के विद्युतीकरण, लोको सेड, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल, उत्पाद स्टॉल, सौर ऊर्जा संचालित स्टेशन तथा भवन रेल कोच रेस्टोरेंट एवं 10 वंदे भारत ट्रेन एवं चार विस्तारित वंदे भारत ट्रेन सेवाओं सहित अन्य नई ट्रेन सेवाओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर विधिवत उद्घाटन किया। तकरीबन 85 हज़ार करोड़ से अधिक परियोजनाओं को आज प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

पीएम मोदी ने बिहार को दो वंदे भारत ट्रेन की दी सौगात

पटना से लखनऊ और न्यू जलपाईगुड़ी के लिए सीधी वंदे भारत ट्रेन

सीएम नीतीश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम में हुए शामिल

पटना (बिहार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बिहार को दो नई वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी। यह वंदे भारत ट्रेन पटना से न्यू जलपाईगुड़ी और लखनऊ के लिए सीधे चलेगी। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेलवे से संबंधित योजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

प्रधानमंत्री ने गुजरात राज्य के अहमदाबाद से रिमोट द्वारा 85 हजार करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इसमें पूर्व मध्य रेल (हाजीपुर) की 13 हजार 228 करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 10 नई वंदे

भारत ट्रेनों सहित अन्य रेल सेवाओं का भी हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम के तहत न्यू जलपाईगुड़ी से पटना के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत की गई। इस ट्रेन का ठहराव कटिहार में भी होगा। पटना जंक्शन से लखनऊ के गोमती नगर के लिए भी एक वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम से जुड़े लोगों को संबोधित किया। इससे पहले दानापुर मंडल के एडीआरएम (इंफ्रा) अनुपम कुमार चंदन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमारका स्वागत किया।

मोदी की है गारंटी, पूर्णियावसियों की हर उम्मीदें और मांगे होंगी पूरी: संतोष कुशवाहा

बीएनएम@पूर्णिया

आप सब जानते हैं कि पीएम नरेन्द्र मोदी जी का सपना रहा है वोकल फ़ॉर लोकल।इस विजन को बढ़ावा देने के लिए और स्थानीय प्रोडक्ट को बाजार प्रदान करने के साथ-साथ समाज के वंचित वर्गों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए ओ एस ओ पी योजना की शुरुआत की गई है।वहीं रेल कोच रेस्टूरेंट की शुरुआत स्वागत योग्य है।उक्त बातें सांसद संतोष कुशवाहा ने मंगलवार को पूर्णिया जंक्शन पर रेल कोच रेस्टूरेंट और वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना का उद्घाटन करते हुए कही।

उन्होंने कहा यह रेस्टूरेंट निश्चित रूप से लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा और यह आर्थिक उपार्जन का जरिया भी बनेगा।निश्चित रूप से केंद्र की एनडीए सरकार में रोजगार के जितने अवसर सृजित किए गए वह बीते 70 सालों में नही हुआ था।

सांसद कुशवाहा ने कहा कि रेल के क्षेत्र में लगातार विकास हो रहा है। आज ही पूर्णिया कोर्ट से पटना के लिए जनहित एक्सप्रेस और अमृतसर के लिए जनसेवा एक्सप्रेस की शुरुआत हो रही है, जो रेल सुविधा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। जोगबनी से भाया कटिहार सिल्लीगुड़ी के लिए ट्रेन शुरू हो चुकी है।जानकीनगर और पूर्णिया कोर्ट में जानकी एक्सप्रेस का ठहराव शुरू हो चुका है लेकिन हमारी रेल से जुड़ी कई मांगे लंबित है।चूंकि मोदी की गारंटी है तो हम उम्मीद करते हैं कि पूर्णियावसियों की सारी उम्मीदें और मांगे पूरी होगी।

मौके पर विधायक विजय खेमका, भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश कुमार, जेडीयू प्रदेश महासचिव अविनाश कुमार सिंह, राजेश राय, अनंत भारती, राजेश गोस्वामी, मो कमाल अख्तर, चंदन पासवान, संजय मिश्रा, अर्चना साह, तबरेज हसन, सहित एनडीए के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहार के सभी 40 सीटों पर होगी एनडीए का कब्जा : श्रवण कुमार

बीएनएम@नवादा

बिहार सरकार के वरिष्ठ मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार के सभी 40 सीटों पर एनडीए का कब्जा होगा। वे मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक के बाद नवादा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज है। सभी पार्टियां सीट बंटवारे के माथा - पच्ची में फंसी हुई है। एक ओर जहां एनडीए के तमाम घटक दल सीट शेयरिंग को लेकर नाराज चल रहे हैं। वहीं भाजपा गठबंधन में सब कुछ ठीक होने के दावें कर रही है। इसी कड़ी में ग्रामीण विकास के मंत्री श्रवण कुमार नवादा पहुंचे। जहां जनता दल यूनाइटेड के नेताओं ने फूलमाला से स्वागत किया है। वहीं मंत्री ने नवादा के सभागार में ग्रामीण विकास सहित अन्य विभाग के साथ बैठक किया।

बैठक के दौरान सरकार की चलाई गई योजना पर अधिकारियों से फीडबैक ली है। वहीं बैठक में नवादा डीएम आशुतोष कुमार वर्मा, डीसीसी दीपक कुमार मिश्रा और एनडीए व एसडीओ भी उपस्थित है। मंत्री ने बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि एनडीए में सब कुछ ठीक है। चिराग पासवान को लेकर मंत्री श्रवण कुमार ने दिया बड़ा बयान, कहा कभी खुशी तो कभी गम होता रहता है। उन्होंने कहा कि समय आते ही सब कुछ ठीक ठाक हो जाएगा और सब लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे, 40 में 40 सीट जीतेंगे। वहीं जब पत्रकारों ने सवाल किया गया कि चिराग पासवान नीतीश कुमार से हर समय बगावत करते हैं तो इस सवाल पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा समय आते ही सब को ठीक हो जाएगा। एक साथ बैठकर सब कुछ का निदान किया जाएगा। और आने वाली चुनौतियों का सामना करेंगे और एनडीए इस बार 40 की 40 सीट जीतेगी। जनता दल यूनाइटेड के तमाम नेताओं के द्वारा पूर्व विधायक कौशल यादव पूर्व एमएलसी सलमान रागीव की देखरेख में मंत्री का नवादा में स्वागत किया गया। जिसके बाद मंत्री ने नवादा के डीआरडीए सभागार में ग्रामीण विकास विभाग व अन्य विभाग के साथ बैठक किया जहां बैठक में सरकार के द्वारा चलाए गए योजना के बारे में नवादा डीएम आशुतोष कुमार वर्मा से विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जदयू उपाध्यक्ष विनय यादव, जीवन लाल चंद्रवंशी, अवधेश महतो आदि लोगों भी मौजूद थे।

कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय अधिषद् की बैठक में शामिल हुए राज्यपाल

मधुबनी। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के अधिषद परिषद की बैठक में मंगलवार को राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर शामिल हुए। सीनेट- सिंडिकेट की बैठक को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कई मुद्दों पर अहम निर्देश दिया।

अधिषद की बैठक में सीनेट सदस्य डॉ. संजीव कुमार झा ने वित्त रहित कॉलेज के शिक्षकों की समस्याओं से सन्दर्भित ज्ञापन राज्यपाल को सौंपा। राज्यपाल अर्लेकर ने विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र नियमित करने, समय पर परीक्षाफल प्रकाशित करने, समय पर वर्ग संचालन सहित चहुंओर साफ- सफाई की व्यवस्थित इन्तजाम का निर्देश दिया। इस अवसर पर कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति ने राज्यपाल का भव्य स्वागत किया।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
AWAKE ARISE ACHIEVE
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

पोषण पखवाड़ा के तहत चौपाल का किया गया आयोजन

बीएनएम@केसरिया। समेकित बाल विकास योजना द्वारा नौ से 23 मार्च तक पोषण पखवाडा का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित कर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर करने, बच्चों के आहार, बच्चों के प्रारंभिक देखभाल आदि को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस आयोजन में प्रत्येक दिन विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम हो रहा है। इस कड़ी में मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के कढान पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 59 पर चौपाल का आयोजन किया गया। जहाँ प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा विषय पर उपस्थित अभिभावकों के साथ चर्चा की गई। चौपाल में मौजूद महिला पर्यवेक्षिका अम्बालिका कुमारी ने पोषण पखवाडा से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं को समय से अल्पाहार, खाना व पौष्टिक आहार लेना चाहिए, ताकि स्वास्थ्य संबंधित कोई समस्या नहीं हो। वहीं बच्चों के बारे में कहा कि इन्हें पौष्टिक आहार समय से दें ताकि उनका विकास तेजी से हो। चौपाल के क्रम में विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की भी जानकारी दी गई।

चुनाव को लेकर निकाला गया फ्लैगमार्च

अरेराज। थाना क्षेत्र मे लोकसभा चुनाव को भयमुक्त व निष्पक्ष करने को लेकर अरेराज थाना के द्वारा पुलिस बल के साथ फ्लैगमार्च निकाला गया। अरेराज थाना अध्यक्ष विभा कुमारी ने बताई कि चुनाव को देखते हुए थाना क्षेत्र मे फ्लैग मार्च निकला गया है।शहर के विभिन्न इलाकों में सहित नगर पंचायत के आधा दर्जन वार्डो में फ्लैगमार्च निकालकर आमलोगों से भयमुक्त होकर मतदान में भाग लेने की अपील किए। मौके के पर एस आई मोनालिसा कुमारी, पीएसआई विवेक कुमार, रमेन्द्र कुमार मौजूद थे।

पश्चिम चंपारण में ट्रैक्टर की चपेट में आकर बच्चे की मौत

बेतिया। पश्चिम चंपारण मे ट्रैक्टर की चपेट में आकर मंगलवार को 13 माह की बच्ची की मौत हो गई। हालांकि बच्ची के नाना आस बांधकर लौरिया अस्पताल पहुंचे कि शायद कहीं यह अबोध जिंदा हो लेकिन चिकित्सकों ने बच्ची को देखते ही कहा कि इसे घर ले जाएं, बहुत देर हो गई है। विदित हो कि दनियाल परसौना पंचायत के पीपरा गांव के अजीम खां की पुत्री सानिया का ननिहाल भी इसी गांव में है। वह अपने नाना के दरवाजे पर खेल रही थी। इसी बीच एक ट्रैक्टर ट्रॉली, जिसमें सरसों लदा था के चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ट्रैक्टर ट्रॉली का चालक गाड़ी लेकर फरार होने में कामयाब रहा। इधर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए बेतिया गवर्मेंट अस्पताल भेज दिया है। मृतिका के नाना हसमुद्दीन ने बताया कि उसकी पुत्री शमा परवीन का निकाह गांव के ही अजीम खां के साथ हुई है। दामाद दुबई में रहकर काम करते हैं।

केसरिया विधायिका शालिनी मिश्रा के समर्थकों का मोतिहारी सांसद से सवाल, कहा-

विधायिका की अवहेलना नहीं होगी बर्दाश्त

सागर सूरज

बीएनएम@मोतिहारी। लोकसभा क्षेत्र के भाजपा के वरीय नेताओं का महिला विरोधी चरित्र फिर से सामने आया है। आम तो आम खास महिलाओं को भी सम्मान देने मे किये जा रहे परहेज सवालों मे है। ताजा मामला केसरिया प्रखण्ड परिसर मे मंगलवार को स्थापित भगवान बुद्ध की एक प्रतिमा के अनावरण के बाद उत्पन्न विवाद से जुड़ा है।

मूर्ति के अनावरण के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम मे मोतिहारी सांसद राधामोहन सिंह उद्घाटनकर्ता थे, तो वही मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई।

कार्यक्रम मे स्थानीय भाजपा नेताओं के साथ साथ गोबिंदगंज विधायक सुनील मणि

तिवारी, पिपरा विधायक श्यामबाबू यादव, पूर्व विधायक सचिन्द्र सिंह और भाजपा नेता राजेन्द्र गुप्ता भी मौजूद थे। स्थानीय जदयू विधायिका शालिनी मिश्रा पूरे कार्यक्रम से गायब देखी गयीं।

यही नहीं, केसरिया मे हाल ही मे रेलवे स्टेशन का एक भवन का उद्घाटन बड़े पैमाने पर किया गया। सांसद राधा मोहन सिंह के द्वारा उद्घाटित इस कार्यक्रम मे भी स्थानीय विधायिका मौजूद नहीं थी।

बॉर्डर न्यूज मिरर से बात करते हुए शालिनी मिश्रा ने कहा कि दोनों ही कार्यक्रम मे उनको आमंत्रित ही नहीं किया गया था।

सांसद राधामोहन सिंह और उनके कुनवे द्वारा लगातार जदयू विधायिका को नजरंदाज करते हुए विधायिका को उनके अपने क्षेत्रों मे आयोजित हो रहे कार्यक्रमों से मरहूम करना, उन्हे आमंत्रित तक नहीं करना जदयू विधायिका के समर्थकों के बीच आक्रोश का कारण है।

उल्लेखनीय है कि सांसद महोदय बिना प्लेटफॉर्म, बिना रेलवे ट्रैक और ट्रेन के ही जल्दी जल्दी मे उद्घाटन करना, अपने नाम की शीलपट्ट लगाने के कारण मीडिया के निशाने पर आ गए थे। जिसको लेकर उनकी किरकिरी भी खूब हुई थी।

रेलवे स्टेशन कार्यक्रम मे भी विधायिका को आमंत्रित नहीं करना और अब भगवान बुद्ध के प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से भी विधायिका को महरूम करना भाजपा के जिले के शीर्ष नेताओं को सवालों मे ला खड़ा किया है। सनद रहे कि राधा मोहन सिंह मोतिहारी लोक सभा क्षेत्र से नौ बार चुनाव लड़े और छह बार चुनाव जीते भी, लेकिन अपने किसी भी विधान सभा क्षेत्र से भाजपा के तरफ से किसी महिला को सही ढंग से प्रोमोट नहीं कर सके। राजनीतिक पृष्टभूमि रखने वाली नीता शर्मा को पार्टी मे पुन: जोड़ने की घटना को भाजपा नेता अखिलेश सिंह के बागी तेवर से हो रहे इनके अपने नुकसान की भरपाई के प्रयास के रूप मे देखा जा रहा है।

एक सौ चौतिस बोतल नेपाली शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

पकड़ीदयाल। अनुमंडल क्षेत्र के पताही पुलिस द्वारा अपराधी शराबी एवं शराब कारोबारियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को दीवा गस्ती दल के द्वारा 105 बोतल नेपाली सोफिया शराब एवं 29 बोतल नेपाली लहर शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत मोतिहारी जेल भेज दिया गया है। थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि एस आई राजीव साह के द्वारा दीवा गस्ती के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर जिहुली बजार पर बने यात्री शेड से पूरब घर के पीछे झाड़ी मे छुपा कर रखे 105 बोतल नेपाली सोफिया शराब एवं 29 बोतल नेपाली लहर शराब के साथ जिहुली गांव निवासी लखिन्द्र पासवान के पुत्र शराब कारोबारी छोटे पासवान को

गिरफ्तार कर मध्य प्रदेश अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत मोतिहारी जेल भेज दिए गया हैं। वही पूछताछ के दौरान शराब कारोबारी छोटे पासवान ने बताया कि नेपाल से सस्ते दामों में नेपाली सोफिया शराब लाकर यहां महंगे दामों में बेचने का काम करता था। और कई छोटे-छोटे शराब कारोबारियों को शराब देने का काम करता था। पूछताछ के दौरान कई शराब कारोबारियों का नामों का खुलासा किया है। नाम गोपनीय रखकर पुलिस छापेमारी तेज कर दी है। छापेमारी अभियान में दरोगा संजय चौधरी, राजीव साह सहित सैफ बीएसपी के जवान शामिल थे।

आग से लाखों कीं संपत्ति जल कर हुई राख

अरेराज। अनुमंडल क्षेत्र के नवादा पंचायत के गोविंदगंज बाजार पर मंगलवार के दिन अंचानक आग लग गया। जिसमें एक घर सहित लगभग लाखों कीं संपत्ति जल कर राख हो गया है। स्थानीय समाजसेवी आलोक सिंह ने बताया कि दोपहर के समय प्रमोद साह के घर अचानक आग लग गया जिसमें एक घर सहित घर के अन्य समान सहित जल कर राख हो गया, आग इतना भयानक हो गया कि स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी दी गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। घटना स्थल पर पहुंचकर पूर्व जिला पार्षद पप्पू मिश्रा ने बताएं कि पीड़ित परिवार से मिलकर तत्काल सहायता राशि जल्द से जल्द अग्नि पीड़ित परिवारों को मिलेगा। वही मौके पर प्रिंस चौबे, जयंत चौबे, चुन्नू तिवारी, प्रदेश शाह, सचिन गिरी, गुप्तेश सिंह एवं दर्जनो लोग मौजूद थे।

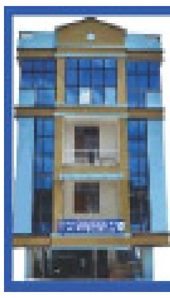
कवि जाँच घर
Mob.:7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

आओ मिलकर अलख जगाएं शत प्रतिशत मतदान कराएं: प्राचार्या

बीएनएम@मोतिहारी

मंगलवार को शहर स्थित डॉ. श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 'मेरा पहला वोट देश के लिए' पर केंद्रित एक सफल कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अर्पणा (हिंदी विभाग) के द्वारा प्राचार्या (प्रो.) डॉ. किरण कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के सहायक प्राध्यापकों ने अपने-अपने विचार रखते हुए छात्राओं को मतदान का महत्व बताते हुए जागरूक करने का प्रयास किया। डॉ. दीप माला श्रीवास्तव (राजनीति विज्ञान विभाग) ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जाति,धर्म, परिवारवाद से ऊपर उठकर मतदान करें।

डॉ. कुमारी रंजना (हिंदी विभाग) ने भी छात्राओं को प्रेरित करते कहा कि आपका एक वोट देश को सही दिशा में ले जा सकता है। डॉ.सोनी कुमारी (इतिहास विभाग) ने छात्राओं को संबोधित करते कहा कि मतदान के लिए अपना रजिस्ट्रेशन जरूर कराएं। मो. डॉ. इरशाद आलम (गृह विज्ञान विभाग) ने कहा कि मतदान हमेशा अपने विवेक से करें। उक्त कार्यक्रम में प्राचार्या (प्रो.) डॉ.किरण कुमारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि छात्राएं मतदान के महत्व को समझें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि 'आओ मिलकर अलख जगाएं शत प्रतिशत मतदान कराएं।' एन.एस.एस. की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ.अर्पणा (हिंदी विभाग) में छात्राओं को कर्तव्य निभाने की बात कही- 'अपना कर्तव्य निभाएंगे, मतदान करेंगे और करवाएंगे।'

इस कार्यक्रम में सभी के द्वारा मतदान शपथ भी दिलाया गया तथा मानव श्रृंखला भी बनाया गया। धन्यवाद ज्ञापन रसायन विभाग के डॉ. अमित कुमार के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. नीतू ,डॉ.प्रियंका कुमारी, डॉ.आकृति रानी, डॉ. चंदा कुमारी, डॉ. रीता, डॉ. करिश्मा नाज तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में सोनी कुमारी, विकास कुमार, निहाल, अमित कुमार, अभय कुमार, ज्ञान रंजन, ज्ञान प्रकाश, राजेश कुमार अन्य कर्मी में नीलम, राघवेंद्र, संगीता, संतोष तथा सविता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की राजस्व विभाग के कार्यों के प्रगति की समीक्षा

मोतिहारी। समाहरणालय स्थित राधाकृष्णन सभागार में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा जिला के सभी अंचल अधिकारियों के साथ बैठक कर राजस्व संबंधी मामले-भू मापी, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, एलपीसी, जमाबंदी अपडेशन, आधार सीडिंग, लोक भूमि डायरेक्टरी, वंशावली शिविर प्राप्त आवेदनों के निष्पादन, अभियान बसेरा एवं न्यायालय से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में अपर समाहर्ता श्री मुकेश कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे।

भू माफी की समीक्षा में पाया गया कि जिला में कुल इसके लिए 1197 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 648 आवेदनों का निष्पादन कर दिया गया है, 223 मामले प्रक्रियाधीन है, पांच मामले न्यायालय में लंबित है। समीक्षा में पाया गया कि अरेराज अंचल में सबसे अधिक 103 भू माफी का आवेदन प्राप्त हुए और सभी 103 का निष्पादन कर दिया गया है।

लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारी हुई तेज

मोतिहारी। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारी में तेजी आ गई है। बेतिया लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को लेकर सुगौली के मुख्यालय स्थित राजकीय नंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को डिस्पैच सेन्टर बनाया गया है। जिसको लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक कांतेश मिश्रा, मोतिहारी सदर एसडीएम श्रेष्ठ अनुपम, रक्सौल एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित, सुगौली बीडीओ तेज प्रताप त्यागी, रामगढ़वा बीडीओ मोहम्मद सज्जाद, रक्सौल प्रशिक्षु बीडीओ अंकेशा यादव, आदापूर बीडीओ, डीपीआरओ नाजिश परवीन, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी प्रिया रंजन, थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार सहित अन्य अधिकारियों के टीम के साथ मंगलवार को नंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने ईवीएम रखने, पोलिंग पार्टी के बीच चुनाव सामग्री वितरण करने और वाहनों को रखने के लिए जगह को देखा। जिलाधिकारी ने सुरक्षा बलों, अधिकारियों और मतदान कर्मियों के आने-जाने रहने सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। इसके बाद अधिकारियों की टीम के साथ विद्यालय के कार्यालय में समीक्षा बैठक की गई। जिसके बाद डीएम ने बताया कि इस विद्यालय में बेतिया लोकसभा के सुगौली, रक्सौल और आदापुर विधानसभा के मतदान कर्मियों के लिए मतदान केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जानी है।

एसएनएस कॉलेज के छात्रों को खिलाई गईं सर्वजन दवा

बीएनएम@मोतिहारी

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शहर के एसएनएस कॉलेज के छात्र -छात्राओं व कर्मियों शिक्षकों व प्राचार्य को सर्वजन दवा का सेवन कराया गया ।ताकि दवा सेवन कर सभी हाथी पाँव जैसे गंभीर रोग से सुरक्षित हो सकें ।कार्यक्रम का शुभारंभ श्री नारायण सिंह कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रदीप कुमार ने आशा कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कर्मियों के सामने दवा का सेवन करते हुए बताया की अल्बेंडाजोल एवं डीईसी की गोली सभी स्वस्थ व्यक्ति को खानी चाहिए। उन्होंने बताया की हाथी पाँव रोग से बचाव को यह दवा काफ़ी आवश्यक है। वहीं मौके पर एनएसएस कॉलेज के रसायन शास्त्र के विभागध्यक्ष प्रो. नितेश कुमार ने छात्रों को फाईलेरिया के बारे मे जानकारी देते हुए बताया की क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फाईलेरिया होता है। फाइलेरिया ऐसा रोग है जिससे प्रभावित मरीज धीरे धीरे विकलांग की तरह हो जाता है इसलिए सरकार द्वारा इसके रोक थाम के लिए सर्वजन दवा खिलाई जाती है। उन्होंने बताया की वर्ष मे एकबार खाए जाने वाले इस दवा को लगातार 5 वर्षो तक सेवन किया जाए तो निश्चित ही फाइलेरिया रोग से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया की दवा का सेवन खाली पेट नहीं करना है। यह दवा दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को नहीं खानी है। उन्होंने बताया कि दवा सेवन के उपरांत कुछ लोगों में उल्टी, सर दर्द, जी मिचलाना जैसी शिकायतें हो सकती हैं जो स्वतः समाप्त हो जाती हैं।

फॉलो अप राउंड चलाकर छूटे हुए लोगों को खिलाई गईं दवा

फाइलेरिया मरीज एवं दयानिधि पेशेंट सपोर्ट नेटवर्क सदस्य प्रियंका सिन्हा ने छात्र -छात्राओं को बताया की इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, इससे बचने के लिए सर्वजन दवा का सेवन करना चाहिए, घर के आस पास साफ सफाई रखनी चाहिए, साथ ही सोने के वक़्त मच्छर दानी का प्रयोग करना चाहिए ।पीसीआई डीसी मनोज कुमार ने कहा की 260 छात्रों को दवा सेवन कराया गया। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा की बिहार के 24जिले मे 10 फ़रवरी से फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है वहीं छूटे हुए लोगों को फॉलो अप राउंड चलाकर सर्वजन दवा सेवन कराकर हाथीपांव जैसे रोग से सुरक्षित किया गया है। विशेष अभियान चलाकर स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक स्थलों पर बूथ लगाकर लोगों को आशा कार्यकर्ता, फाइलेरिया पेशेंट नेटवर्क के सदस्य, सहयोगी संस्थानों के सहयोग से जागरूक कर दवा का सेवन कराया गया है।

मौके पर प्राचार्य डॉ प्रदीप कुमार, प्रो. नितेश कुमार, प्रधान सहायक रामकृष्ण सिंह, पूजा वर्मा, पीसीआई डीसी मनोज कुमार, आशा कार्यकर्त्ता व अन्य लोग उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न होगी अध्यापक नियुक्ति परीक्षा : DM

मोतिहारी। सचिव बिहार लोक सेवा आयोग पटना से प्राप्त पत्र के आलोक में अध्यापक नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा(TRE- 3)विज्ञापन सं०-22/2024 के स्वच्छ सचालन को लेकर मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में में जिलाधिकारी एवम पुलिस अधीक्षक के द्वारा सभी केन्द्राधीक्षक, प्रतिनियुक्त दडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को सयुक्त ब्रीफिंग में संबोधित करते हुए बताया गया कि यह परीक्षा अगामी शुक्रवार को प्रथम पाली में कल 23 परीक्षा केंद्र तथा द्वितीय पाली में कुल 15 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न करायी जायेगी। प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाहन 9:30 बजे से मध्यान 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 2:30 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक ली जाएगी। प्रथम पाली की परीक्षा में कल 14520 परीक्षार्थी तथा द्वितीय पाली की परीक्षा में 9564 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। प्रथम पाली की परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को केंद्र के अंदर 7:30 बजे से प्रवेश दिया जाएगा एवं परीक्षा प्रारंभ होने के 1 घंटा पूर्व अर्थात 8:30 बजे के बाद उनका प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। इसी तरह से द्वितीय पाली की परीक्षा में परीक्षा प्रारंभ होने के 2 घंटा पूर्व अर्थात 12:30 बजे से परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा एवम परीक्षा प्रारंभ के एक घंटा पूर्व अर्थात 1:30 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा को निष्पक्ष, कदाचारमुक्त एवं स्वच्छ संचालन के लिये बिहार लोक सेवा आयोग के निर्धारित मानक के अनुरूप प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर सशस्त्र पुलिस बल / महिला पुलिस बल, स्टेटिक दण्डाधिकारी, गश्ती दण्डाधिकारी एवं जोनल दण्डाधिकारी-सह-उडनदस्ता दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल परीक्षा प्रारंभ होने से दो घंटा पूर्व अर्थात 07:30 बजे पूर्वाहन में अपनी प्रतिनियुक्ति स्थल ग्रहण कर लेंगे एवं परीक्षा के सामाप्ति के बाद भी केन्द्र पर उपस्थित रहकर विधि-व्यवस्था संधारित करेंगे। परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार पर ही केन्द्राधीक्षक, प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल की सहायता से परीक्षार्थियों की शारीरिक जाँचोपरांत, आयोग द्वारा निर्गत ई-प्रवेश पत्र एवं फोटोयुक्त पहचान पत्र देख कर ही परीक्षा केंद्र के अन्दर प्रवेश करने देंगे। इसके पश्चात परीक्षा कक्ष में प्रवेश के पूर्व एवं परीक्षा कक्ष में भी वीक्षक के द्वारा परीक्षार्थियों की सघन तलासी कर ली जाय। परीक्षा अवधि के समाप्ति के पहले किसी परीक्षार्थी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

देश में चुनावों से पहले विकास की बरसात

राकेश अचल

आप विकास की बेमौसम बरसात के आनंद लीजिये लेकिन ठीक वैसे ही जैसे एक पर्यटक लेता है । हकीकत समझिये कि ये विकास बरसाती ही है , टिकाऊ नहीं। ये एक चारा है जो मतदाता नाम की मछली को फसाने के लिए कांटेनुमा वंशी के नुकीले सिरे पर लगाईं जाती है। चारे के लालच में यदि आपने बरसाती विकास के लिए अपना मुंह खोला तो आपका शिकार होना बहुत स्वाभाविक है। बरसाती विकास उस मांजे की तरह है जो किसी भी मछली के लिए घातक होता है।

लोकसभा चुनाव से पहले देश में विकास की ऐसी बरसात हो रही है कि पिछड़ापन लगता है कहीं बचेगा ही नहीं। हम कल की ही बात करें तो एक ही दिन में सरकार ने 6 नए हवाई अड्डे ,छह नए टर्मिनल का लोकार्पण करने के साथ ही हजारों करोड़ रुपए की नयी योजनाओं की आधारशिलाएं रख दीं। देश में ये विकास राजनीति के पश्चिमी विक्षोभ का नतीजा है। न चुनाव होते और न देश में विकास की झड़ी लगती । लगता है कि सरकार विकास की मेघमाला को चुनावों के लिए ही रोककर रखती है। इस हवा-हवाई विकास की हकीकत क्या है ये समझना जरूरी है।

चुनावों से पहले देश में विकास की बरसात हमेशा से होती आई है किन्तु भाजपा की सिंगल और डबल इंजन की सरकारों ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के लिए 370 और एनडीए गठबंधन के लिए 400 सीटें जीतने के आसमानी लक्ष्य को पाने के लिए विकास की बरसातों के सभी पुराने कीर्तिमान भंग कर दिए हैं। मौजूदा सरकार को कीर्तिमान भंग करने में महारत हासिल है । सरजू तट पर दीपक जलाने से लेकर ,सरकारें खरीदने,गिराने और विकास की बरसातें करने तक के सभी पुराने कीर्तिमान हमारी इसी लोकप्रिय सरकार ने भंग किये हैं। कांग्रेस की अव्वल तो सरकारें कम हैं और जो भी हैं वे भी नए कीर्तिमान गढ़ने में भाजपा से कोसों पीछे हैं।

देश की जनता को हैरानी होती है की 74 साल के प्रधानमंत्री में इतनी ऊर्जा कहाँ से आती है जो वे उत्तर -पूर्व से लेकर पूरे देश में चुनावी दौरे ऐसे कर रहे हैं जैसे की कोई तूफान खड़ा करना कहते हों। प्रधानमंत्री ने 10 मार्च को ही 15 हवाई इंफ्रा स्ट्रक्चर का लोकार्पण किया। इनमें छह नए हवाई अड्डे शामिल हैं। प्रधानमंत्री जी भले ही मणिपुर नहीं गए हों लेकिन वे उन सभी हिस्सों में गए जहाँ से सीटें मिल सकती है। वे बिहार गए,बंगाल गए,यूपी तो जाते ही रहते हैं। एमपी गए ,महाराष्ट्र गए और जहाँ नहीं जा पाए वहां उन्होंने अपनी आभासी उपस्थिति [वर्चुअल] से लोगों को नवाजा। अतीत में ये क्षमता सुर और असुर दोनों पक्षों के पास थी। अब कलिकाल में ये मायावी शक्ति केवल सत्ता पक्ष के पास बची है।

दो-दो इंजन लगाकर सरकारें चलाने वाली भाजपा ने जान और मान लिया है कि जुमलेबाजी में विकास का छोंक लगाए बिना बात बनने वाली नहीं है । देश को आप चाहे हिन्दू राष्ट्र बनाइये , चाहे अहिन्दू राष्ट्र बिना विकास के बात बनने वाली नहीं है। किसी भी देश में विकास पहली जरूरत होती है । जहाँ विकास को तरजीह नहीं दी जाती वहां बारूद ही बारूद बिछी दिखाई देती है। आसपास नजरें उठाकर देख लीजिये ,हकीकत समझ में आ जाएगी। राष्ट्र को राष्ट्र बनाये रखने के लिए सबसे पहले खुद को उदार बनाना जरूरी है। आप जुमलों से खुद को बिजूका बनाकर लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते। और यदि कर रहे हैं तो ये आपका सौभाग्य है।

देश का विपक्ष और एक बड़ा वर्ग प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को खलनायक मानता है ,किन्तु मै ऐसा नहीं मानता,क्योंकि खुद मोदी जी ऐसा नहीं मानते । वे भले ही देश की 31 फीसदी जनता द्वारा चुनी गयी भाजपा के नेता हैं लेकिन हैं तो देश के प्रधानमंत्री ,इसलिए मै उन्हें खलनायक नहीं मान सकता भले ही वे खलनायकों की तरह व्यवहार करते नजर आते हों। खलनायक के भीतर भी तो एक नायक छिपा है। नायक,खलनायक और अधिनायक में जो गैर जरूरी शब्द हैं उन्हें यदि अलग कर दिया जाये तो शेष नायक ही बचता है। देश पर विकास की बरसात आखिर मोदी जी से ,भाजपा से कोई अंतर्निहित नायक ही करा रहा है।

समस्या ये है कि हम या हमारी राजनीति कभी ये सवाल नहीं करती कि सरकारें विकास को एक सतत प्रक्रिया बनाये रखने के बजाय उसका इस्तेमाल एक चारे के रूप में क्यों करतीं है। सरकारों को विकास की याद ?न चुनावों के समय ही क्यों आती है ? क्या वे चुनावों के लिए विकास को अवरुद्ध करने का अपराध नहीं करतीं ? विकास को एक जरूरत के बजाय राजनीतिक हथियार क्यों बना दिया गया है ? क्या इससे मुक्ति आवश्यक नहीं है ,या सभी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर कोई दुरभि संधि कर ली है ?

परिश्रमी,दृढ प्रतिज्ञ और तपोनिष्ठ प्रधानमंत्री जी का दुर्भाग्य ये है कि अब उनके द्वारा एक दशक में बनाये गए हवामहल की ईंटे खिसकने लगीं है। अभी तक उनके द्वारा खोले गए शरणार्थी शिविरों में कांग्रेस और दीगर दलों के शरणार्थी नेता शरण ले रहे थे किन्तु अब उनकी पार्टी से भी लोग पलायन कर उनकी प्रतिद्वंदी कांग्रेस के शरणार्थी शिविरों में जाते दिखाई देने लगे है। हरियाणा से पहले मध्यप्रदेश में इसकी शुरूवात हुई थी । अब पूरे देश के अलग-अलग हिस्सों से प्रधानमंत्री के अधिनायकत्व से खिन्न लोग भाग रहे है। या बगावत कर रहे हैं। चूंकि कानून होने के बाद भी अब दल-बदल कोई अपराध या अनैतिक कृत्य नहीं है इसलिए सभी के लिए ये क्षम्य है। भाजपा में जिस तरह से कांग्रेस का काठ-कबाड़ भरा गया है उससे भाजपा के आम कार्यकर्ता में भारी असंतोष है ,जो विकास की बेमौसम बरसात पर भारी पड़ सकता है।

चूंकि हम भाजपा के भाग्यविधाताओं की मजबूरी को समझते हैं इसलिए हमारी उनके प्रति सहानुभूति है। हमारी सहानुभूति को आप अन्यथा मत लीजिये। देश को तोड़ना और जोड़ना दो अलगअलग काम हैं जो राजनीतिक दल अपनी-अपनी समझ और सामर्थ्य से कर रहे हैं जनता धर्म के नशे में है लेकिन धीरे-धीरे धर्म का नशा उतर रहा है। उम्मीद की जाना चाहिए कि नशामुक्त अवाम अपने भविष्य का फैसला समझदारी से करेगी और नहीं करेगी तो खुद ही भुगतेगी। इसमने हमारा आपका कोई कसूर नहीं होगा। हम और आप मिलाकर अपनी क्षमता से नशे की गिरफ्त में आयु अवाम को झकझोरने का यत्न,प्रयत्न लगातार कर रहे हैं। ये जोखिम का काम है फिर भी हमने इसे छोड़ा नहीं है । कहते हैं कि जब कोई खलनायक अपनी खलवृत्ति को नहीं छोड़ता तो किसी सज्जन व्यक्ति को भी अपनी सज्जनता का त्याग नहीं करना चाहिए।

कुल जमा बात ये है कि आप विकास की बेमौसम बरसात के आनंद लीजिये लेकिन ठीक वैसे ही जैसे एक पर्यटक लेता है । हकीकत समझिये कि ये विकास बरसाती ही है ,टिकाऊ नहीं। ये एक चारा है जो मतदाता नाम की मछली को फसाने के लिए कांटेनुमा वंशी के नुकीले सिरे पर लगाईं जाती है। चारे के लालच में यदि आपने बरसाती विकास के लिए अपना मुंह खोला तो आपका शिकार होना बहुत स्वाभाविक है। बरसाती विकास उस मांजे की तरह है जो किसी भी मछली के लिए घातक होता है।

संपादकीय

तेलुगू देशम पार्टी फिर हृष्ट में

आंध्र प्रदेश में विधानसभा और लोक सभा के चुनाव भाजपा, तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) और जनसेना पार्टी (जेएसपी) मिलकर लड़ेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लगातार दूसरे दिन बैठक करने के उपरांत तीनों दलों ने संयुक्त बयान जारी करके इस बाबत जानकारी दी। इस प्रकार एनडीए परिवार में दो और दल शामिल हो गए हैं, और तीनों जल्द ही सीट शेयरिंग के तौर-तरीकों को लेकर बातचीत करेंगे। दरअसल, भाजपा दक्षिण भारत में ज्यादा से ज्यादा लोक सभा सीटें जीतने की रणनीति पर गहन मंथन करती रही है। अपनी इसी रणनीति के तहत उसने आंध्र प्रदेश की एक बड़ी पार्टी तेदेपा और बनिस्बत एक छोटे दल को साथ लेकर बढ़ने का फैसला किया है। वैसे, तेदेपा और भाजपा का रिश्ता कोई नया नहीं हैं, दोनों पार्टियों के बीच रिश्ता काफी पुराना है। तेदेपा राजग 1996 में शामिल हुई थी। अटलबिहारी वाजपेयी और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकारों में सफलतापूर्वक काम कर चुकी है। तेदेपा और भाजपा ने 2014 का लोक सभा और विधानसभा चुनाव साथ लड़ा था जबकि जनसेना पार्टी ने 2014 के आम चुनाव और विधानसभा चुनाव में भाजपा का समर्थन किया था। जेएसपी के अध्यक्ष पवन कल्याण हैं, और इस पार्टी के राज्य के कुछ पॉकेट्स में प्रभाव माना जाता है। तेदेपा का राजग में शामिल होने को लेकर पहले से कोई संशय नहीं था, और माना जा रहा था कि तेदेपा का राजग में शामिल होने की घोषणा कुछ ही दिनों की बात है। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए उसके लिए जरूरी है कि वह राजग का हिस्सा बने ताकि वाईएसआर का मजबूती से मुकाबला कर सके। पता चला है कि तेदेपा लोक सभा की 17 सीटों और विधानसभा की 145 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। भाजपा और जेएसपी लोक सभा की 8 सीटों और विधानसभा की 30 सीटों पर चुनाव लड़ सकती हैं। तेदेपा की कोशिश है कि भाजपा खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशव्यापी लोकप्रियता के सहारे न केवल लोक सभा की अपने हिस्से की सीटें जीत ले, बल्कि विधानसभा में भी अपनी कड़ी प्रतिद्वंद्वी वाईएसआर को शिकस्त देकर राज्य की सत्ता पर काबिज हो जाए। उसे अपनी सरकार के कार्यकाल के प्रदर्शन से कहीं ज्यादा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्मे और दूरदर्शी व जीवंत नेतृत्व पर विश्वास है, जिसके सहारे वह चुनावी वैतरणी पार हो जाना चाहती है। भाजपा के लिए भी दक्षिण के इस प्रमुख राज्य में उसका साथ माकूल है।

चिंतन-मनन

जीव परमेश्वर की परा शक्ति

जीव परमेश्वर की परा प्रकृति (शक्ति) है। अपरा शक्ति तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार जैसे विभिन्न तत्वों के रूप में प्रकट होती है। भौतिक प्रकृति के ये दोनों रूप-स्थूल (पृथ्वी आदि) तथा सूक्ष्म (मन आदि) अपरा शक्ति के ही प्रतिफल हैं। जीव जो अपने विभिन्न कार्य के लिए अपरा शक्तियों का विदोहन करता रहता है, स्वयं परमेश्वर की परा शक्ति है और यह वही शक्ति है जिसके कारण सारा संसार कार्यशील है। इस दृश्य जगत में कार्य करने की तब तक शक्ति नहीं आती, जब तक परा शक्ति अर्थात जीव द्वारा यह गतिशील नहीं बनाया जाता। शक्ति का नियंत्रण सदैव शक्तिमान करता है, अतः जीव सदैव भगवान द्वारा नियंत्रित होते हैं। जीवों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। वे कभी भी सम शक्तिमान नहीं, जैसा कि बुद्धिहीन मनुष्य सोचते हैं। श्रीमद्भागवत में जीव तथा भगवान के अन्तर को इस प्रकार बताया गया है- ह्र्ये परम शात! यदि सारे देहधारी जीव आप ही की तरह शात एवं सर्वव्यापी होते तो वे आपके नियंत्रण में न होते। किन्तु यदि जीवों को आपकी सूक्ष्म शक्ति के रूप में मान लिया जाए, तब वे सभी आपके परम नियंत्रण में आ जाते हैं। अतः वास्तविक मुक्ति आपकी शरण में जाना है और इस शरणागति से वे सुखी होंगे। परमेश्वर कृष्ण एकमात्र नियन्ता हैं और सारे जीव उन्हीं के द्वारा नियंत्रित हैं। सारे जीव उनकी पराशक्ति हैं, क्योंकि उनके गुण परमेश्वर के समान हैं, किन्तु वे शक्ति की मात्रा के विषय में समान नहीं हैं। स्थूल व सूक्ष्म अपरा शक्ति का उपभोग करते हुए परा शक्ति (जीव) को अपने वास्तविक मन तथा बुद्धि की विस्मृति हो जाती है। इसका कारण जीव पर जड़ प्रकृति का प्रभाव है। माया के प्रभाव में अहंकार सोचता है, मैं ही पदार्थ हूं और सारी भौतिक उपलब्धि मेरी है किंतु जब वह सारे भौतिक विचारों से मुक्त हो जाता है, तो उसे वास्तविक स्थिति प्राप्त होती है। गीता जीव को कृष्ण की अनेक शक्तियों में से एक मानती है और जब यह शक्ति भौतिक कल्मष से मुक्त हो जाती है, तो पूर्णतया कृष्णभावनाभावित या बंधनमुक्त हो जाती है।

अनास्था की सदी में खाटू आस्था का मेला

निमिषा सिंह

वीर प्रसूता राजस्थान की माटी ने यूं तो अपने आंचल में उत्कृष्ट शोर्य परंपरा से जुड़ी अनेको गौरव गाथाओं को समेटा हुआ है किंतु राजस्थान का जिक्र हो और आस्था के प्रमुख केन्द्र खाटू की बात न हो, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। विशेषकर मुझ जैसे लाखों भक्तों के लिए जिनका मानना है कि खाटू में विराजमान बाबा श्याम से अगर एक बार कुछ मांगा तो वो लाखों करोड़ों बार देते है और देते ही रहते हैं। यही कारण है कि हम भक्त उन्हें लखदातार के नाम से भी पुकारते है। राजस्थान के शेखावाटी के सीकर जिले में स्थित है परमधाम खाटू। यहाँ विराजित हैं भगवान श्रीकृष्ण के कलयुगी अवतार खाटू श्यामजी। इस मंदिर की विशेष बात यह है कि यहां देवता के केवल सिर की पूजा होती है। यहां की मूर्ति का कोई धड़ नहीं है। धड़विहीन मूर्ति बाबा श्याम की है जिनकी कहानी महाभारत और स्कंद पुराण से संबंधित है। श्याम बाबा की महिमा का बखान करने वाले भक्त राजस्थान या भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने में मौजूद है। हर वर्ष फाल्गुन के महीने में यहां सबसे ज्यादा भीड़ होती है। फाल्गुन के महीने अर्थात मार्च में बाबा खाटू श्याम जी का लक्खी मेला लगता है साथ ही बाबा का जन्मदिन भी बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इस साल 2024 में बाबा श्याम का यह मेला 11 मार्च से प्रारंभ होगा और 21 मार्च तक इसका समापन होगा। बाबा खाटू श्याम का संबंध महाभारत काल से है। ये पांडुपुत्र भीम के पोते थे। ऐसा कहा जाता है कि खाटू श्याम की शक्तियों और क्षमता से खुश होकर श्री कृष्ण ने इन्हें कलियुग में अपने नाम से पूजने का वरदान दे डाला था। वनवास के दौरान जब पांडव अपनी जान बचाते हुए इधर-उधर घूम रहे थे तब भीम का सामना हिडिम्बा से हुआ। हिडिम्बा ने भीम से एक पुत्र घटोत्कच को जन्म दिया। इसी घटोत्कच और अहिलावती (मोरवी) के सबसे बड़े पुत्र हुए बर्बरीक। उनके अन्य भाई अंजनपर्व और मेघवर्ण का उल्लेख भी महाभारत में दिया गया है। इन सबों को वीरता और शक्तियों के लिए जाना जाता था।बर्बरीक को उनकी माता मोरवी ने यह सीख दी कि सदा ही पराजित पक्ष की तरफ से युद्ध करना और वे इसी सिद्धांत पर आजीवन अड़े रहे। जब कौरव और पांडवों के बीच युद्ध होना था तब बर्बरीक ने युद्ध देखने का निर्णय लिया। श्री कृष्ण ने जब उनसे पूछा कि वो युद्ध में किसकी तरफ हैं? तब उन्होंने कहा था कि जो पक्ष हारेगा वो उसकी तरफ से लड़ेंगे। चूंकि श्री कृष्ण युद्ध का परिणाम जानते थे लिहाजा उन्हें आसंका थी कि बर्बरीक कहीं पांडवों के लिए खतरा ना बन जाए। ऐसे में कृष्ण जी ने बर्बरीक को रोकने के लिए उनसे दान की मांग की। दान में उन्होंने उनसे उनका शीश मांग लिया। दान में बर्बरीक ने उनको शीश तो दे दिया लेकिन आखिर तक उन्होंने अपनी आंखों से युद्ध देखने की इच्छा जाहिर की। श्री कृष्ण ने इच्छा स्वीकार करते हुए उनका सिर युद्ध स्थान के निकट एक पहाड़ी पर रख दिया। युद्ध के बाद पांडव लड़ने लगे कि जीत का श्रेय किसको जाता है तब बर्बरीक कहते हैं कि श्री कृष्ण की वजह से आप सबों को जीत हासिल हुई है। श्री कृष्ण बर्बरीक के इस बलिदान से काफी खुश हुए और उन्हें कलियुग में श्याम के नाम से पूजे जाने का वरदान दे दिया। ऐसा कहा जाता है कि कलयुग की शुरूआत में राजस्थान के खाटू गांव में उनका सिर मिला था। कहते हैं ये अद्भुत घटना तब घटी जब वहां खड़ी गाय के थन से अपने आप दूध बहने लगा था। इस चमत्कारिक जगह पर खुदाई की गई को तो यहां खाटू श्याम जी का सिर मिला। अब लोगों के बीच में ये दुविधा शुरू हो गई कि इस सिर का किया जाए। बाद में उन्होंने सर्वसम्मति से एक पुजारी को सिर सौंपने का फैसला किया। इसी बीच क्षेत्र के तत्कालीन शासक रूप सिंह को मंदिर बनवाने का सपना आया और उसी स्थान पर मंदिर निर्माण शुरू किया गया। मंदिर निर्माण ले पश्चात खाटूश्याम की मूर्ति वहां स्थापित की गई। 1027 में रूप सिंह द्वारा बनवाए गए मंदिर का पुनर्निर्माण खाटू श्याम के भक्त दीवान अभय सिंह ने 1720 ई. में किया। इतिहासकार पंडित झाबरमल्ल शर्मा के मुताबिक सन 1679 में औरंगजेब की सेना ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। मंदिर की रक्षा के लिए उस समय अनेक राजपूतों ने अपना प्राण न्योछावर किया था। इस मंदिर में बाबा श्याम के मस्तक स्वरूप की पूजा होती है जबकि निकट ही स्थित रींगस में उनके धड़ स्वरूप की पूजा की जाती है। पिछले साल जून के महीने में मेरा पहली बार खाटू जाना हुआ। ऐसा लगा मानो बाबा श्याम का बुलावा आया है। मैं दिल्ली से वाया रोड खाटू श्याम गई थी जिसमे 5 से 6 घंटे का समय लग गया था। खाटू श्याम का मंदिर जयपुर से 80 किलोमीटर दूर खाटू गांव में मौजूद है। खाटू श्याम पहुंचने के लिए सबसे पास का रेलवे स्टेशन रीगस है जहां से बाबा के मंदिर की दूरी 18.5 किलोमीटर है। रेलवे स्टेशन से निकलने के बाद मंदिर के लिए टैक्सी या जीप आसानी से मिल जाती है। अगर आप फ्लाइट से जा रहे हैं तो सबसे नजदीकी एयरपोर्ट जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। यहां से मंदिर की दूरी 95 किलोमीटर है। भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा निजी गाड़ियों को मंदिर से काफी पहले रोका जा रहा था। हमे दर्शन के लिए कुछ दूर पदयात्रा करनी पड़ी। उसका भी अपना एक अलग आनंद रहा। हारे का सहारा, कृष्ण के कलयुगी अवतार, लखदातार, शीश के दानी कहे जाने वाले बाबा खाटू श्यामजी के मंदिर में उनके दर्शन के लिए लंबी लंबी कतारें लगी थी। हजारों की संख्या में भक्त हाथों में निशान लिए बाबा श्याम के जयकारे लगाते आगे बढ़ रहे थे। खाटू श्याम पर झंडा रूपी निशान चढ़ाया जाता है। सनातन धर्म में ध्वज को विजय के प्रतीक के तौर पर माना जाता है। साथ ही यह भी बता दूं कि यह निशान श्याम बाबा द्वारा दिए गए बलिदान और दान का प्रतीक माना जाता है। नजदीक पहुंची तो देखा कि बाबा श्याम के मंदिर में पत्थरों और संगमरमर का उपयोग किया गया है। मंदिर का द्वार सोने की पत्ती से सुशोभित है। मंदिर के बाहर जगमोहन के नाम से प्रार्थना कक्ष भी दिखा। भक्त एक एक कर बाबा के दर्शन कर रहे थे। अब मेरी बारी थी बाबा श्याम के दर्शन की। अलौकिक और अद्भुत क्षण था वह जब मैं उन्हें अपनी आंखो से निहार रही थी। सब कुछ भूल चुकी थी मैं। बहुत कुछ मांगना भी था श्याम बाबा से। वह भी भूल गई मैं। थोड़ा अफसोस तो हुआ पर यह सोचकर मन को तस्सली दी कि मैं बाबा की बाबा मेरा ।।

चिंता की बात : मौसम की मार से त्रस्त जनजीवन

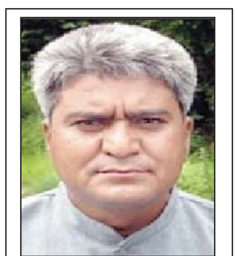

सुरेश भाई

इस जनवरी-फरवरी के 45 दिनों में जिस तरह से कंपकंपाती शीत और पहाड़ों पर बर्फ पड़नी चाहिए थी, वह नहीं दिखाई दी। शीतकाल में ही मार्च से शुरू होने वाली गर्मी जैसा महसूस होने लगा था। 14 फरवरी को बसंत पंचमी तक भी पूरी तरह से पतझड़ नहीं हो पाया था क्योंकि उस समय तक शीत लहर के साथ बारिश और बर्फ के अभाव में सूखे पत्ते पूरी तरह से धरती पर नहीं गिर सके और लंबे समय तक पतझड़ वाले पेड़ सूखी पत्तियों को ही ओढ़े रहे क्योंकि नमीयुक्त शीत लहर जब चलती है तो पतझड़ वाले पेड़ों से सूखी पत्तियां झड़कर जमीन पर गिरती हैं। मौसम की इस बेरुखी से चारों तरफ सूखा ही सूखा दिखाई दे रहा है। शीतकाल में हिमालय क्षेत्र में साढ़े 4 हजार से लेकर 10 हजार फीट के बीच में जो बर्फ पड़नी चाहिए थी, वह इस बार गायब रही।

पर्वतीय क्षेत्रों और तराई वाले कृषि क्षेत्र में जहां सरसों के पीले-पीले फूल खेतों में लहलहाते दिखाई देते थे वे भी पहले के जैसे नहीं दिखाई दे रहे। गेहूं और मटर की फसल पानी की कमी के कारण पूरी तरह नहीं उग पाई।

ऊंचाई के इलाकों में सेब की फसल भी संकट में पड़ गई है क्योंकि जहां सेब होता है वहां पर शीतकाल में जब बर्फ और बारिश पड़ती है, तभी फसल अच्छी होती है। इस शीतकाल में बारिश की कमी के कारण जंगलों में आग फैलती रही है जो 15 फरवरी के बाद भारी बारिश और बर्फबारी होने पर ही बुझ पाई। बेमौसमी बारिश ने फिर से मौसम परिवर्तन के बड़े संकेत दे दिए हैं क्योंकि इस दौरान मार्च के प्रथम सप्ताह तक बढ़ती ठंड और बारिश के साथ पहाड़ों पर हो रही बर्फवारी के कहर ने जम्मू, उत्तर प्रदेश, हरियाणा में 12 लोगों की भी जान ले ली है जबकि इस समय किसानों की बोई फसल को तेज बारिश की आवश्यकता नहीं है। लेकिन यहां तो इतनी तेज बारिश हुई कि हिमाचल में हिमस्खलन के कारण चिनाब नदी का बहाव रुका रहा। उत्तराखंड में चारधाम की सड़कों पर वारिश और बर्फवारी का दौर जारी है। बरसात के जैसे मौसम में यहां 500 स्थानों पर सड़कें बंद रहीं। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से लद्दाख, कश्मीर में भी बारिश और बर्फबारी हुई है। बिहार, सिक्किम में तूफान के साथ ओलावृष्टि हुई है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, विदर्भ, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बेमौसमी बारिश हुई। भारी बारिश के कारण हिमाचल के किन्नौर और जम्मू कश्मीर के रामबन में 300 से ज्यादा पर्यटक फंसे रहे जबकि ऐसी स्थिति बरसात में देखी जाती थी। बताया जा रहा है कि मार्च में सामान्य से अधिक वष्रा यानी 117 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। मौसम विभाग की चेतावनी है कि इस दौरान दक्षिणी प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिण पूर्वी क्षेत्रों, पूर्वोत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से कम वर्ष होने की संभावना है जिसके कारण तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा में लंबी अवधि तक लू चलने का पूवार्नुमान है। यह स्थिति मार्च-मई के बीच में अधिक रह सकती है। यहां पर ग्रीष्मकाल की शुरूआत से ही गर्मी तेजी से बढ़ जाएगी। इसलिए अल नीनो (मध्य प्रशांत महासागर में समुद्री जल के नियमित अंतराल पर गर्म होने की स्थिति) गर्मी के पूरे मौसम में बना रहेगा। इसके बाद भी अच्छी मानसूनी वर्ष के अनुमान हैं। यदि गर्मी और सर्दी की लंबी अवधि चलती रहेगी तो वैज्ञानिकों की वह बात सच हो जाएगी कि 2100 तक पानी ढूंढने पर भी नहीं मिलेगा। शोधकताओं ने कहा है कि तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा तो हिमालय का 90 फीसद क्षेत्र साल भर में सुखे रहेंगे। मौसम में तेज गति के बदलाव के कारण ह्यपरागणह्न प्रक्रिया पर भी असर पड़ेगा। तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने से भी भारत में खेती की जमीन पर सूखे का खतरा 31 फीसद के बीच घट सकता है और 50 फीसद जैव विविधता के लिए आश्रय के रूप कार्य करने में मदद मिल सकती है। इसके बावजूद सूखा, बाढ़, फसल की पैदावार में गिरावट के साथ प्राकृतिक आपदाओं के खतरे बढ़ सकते हैं। हमारी हर विकास योजना में मौसम की मार का सामना करने के लिए पूरी तैयारी होनी चाहिए।

जलवायु अनुकूल प्लान गांव से लेकर शहर तक बनाना होगा। विकास कार्यों में इस बात का ध्यान रखा जाए कि हर तरह की गतिविधि चलाते समय पानी को अधिक से अधिक संरक्षित करके संतुलित उपयोग के तरीकों का पालन किया जाए। प्राकृतिक संसाधनों से चलने वाली आजीविका को नष्ट होने से बचाया जाए। छोटे और सीमांत किसानों के लिए भूमि वितरण की व्यवस्था हो ताकि खेती का दायरा बढ़ाया जा सके। समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में बदलते मौसम और जलवायु के संकट से बचना मुश्किल होगा।

टाटा टियागो को मिले है एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 4-स्टार

-कार का माइलेज भी है जबर्दस्त

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की टाटा टियागो अपने सेगमेंट में मारुति ऑल्टो, एस-प्रेसो, सेलेरियो और वैगनआर जैसी कारों को टक्कर देती है। इस कार की सबसे खास बात इसकी सेफ्टी रेटिंग है। लेकिन, बजट सेगमेंट की कारें सेफ्टी के मामले में उतनी आगे नहीं होती हैं। जबकि टाटा टियागो बजट सेगमेंट की कार होते हुए भी अच्छी बिल्ड क्वालिटी के साथ आती है और इसे एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 4-स्टार मिले हुए हैं। टाटा टियागो बाजार में 5.65 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होकर 8.90 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक की कीमत में मिलती है.इस कार में 1.2-लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है जो 86बीएचपी की पावर और 113 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। ये कार सीएनजी ऑप्शन में भी आती है। इस इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। जहां तक माइलेज की बात है तो कंपनी के मुताबिक पेट्रोल में इसकी माइलेज 19.01केएमपीएल है। वहीं, एक किलो सीएनजी में इसे 26.49केएम तक चलाया जा सकता है। साथ ही इसमें 8-स्पीकर साउंड सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और कूल्ड ग्लोवबॉक्स जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। सेफ्टी के लिहाज से इसमें पैसेंजर सेफ्टी के लिए डुअल फ्रंट एयरबैग, रियर पार्किंग सेंसर, ईबीडी के साथ एबीएस और कॉर्नरिंग स्टेबिलिटी कंट्रोल का सपोर्ट मिलता है.इस कार में ऐपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एलईडी डीआरएलएस के साथ प्रोजेक्टर हेडलाइट्स, रियर डिफॉगर और बैक वाइपर जैसे फीचर्स मिलते हैं।

स्पेसएक्स ने 6 घंटे के अंदर 46 स्टारलिंक सैटेलाइट लांच किया

नई दिल्ली। एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने छह घंटे के भीतर पृथ्वी की निचली कक्षा में 46 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रहों को प्रक्षेपित किया। कंपनी ने अपने कहा` कि उपग्रहों को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन में स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 (एसएलसी -40) से कंपनी के दो चरण वाले फाल्कन 9 रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया है। 23 उपग्रहों का पहला सेट भारतीय समय के अनुसार सोमवार सुबह 4ः35 बजे रवाना हुआ।कंपनी ने कहा` कि यह इस मिशन का सपोर्ट करने वाले रॉकेट की 11वीं उड़ान थी। इसने पहले क्रू-5, जीपीएस 3 स्पेस व्हीकल 6, इनमारसैट आई6-एफ2, सीआरएस-28, इंटेलसैट जी-37, एनजी-20 और अब पांच स्टारलिंक उपग्रह प्रक्षेपित किए जा चुके हैं।

इससे पहले 9 अगस्त को स्पेसएक्स ने अपने स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रहों का एक और बड़ा बैच ऑर्बिट में लॉन्च किया था और समुद्र में एक जहाज पर एक रॉकेट उतारा। स्पेसएक्स कमिर्शियल इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए स्टारलिंक नामक एक उपग्रह इंटरनेट समूह विकसित कर रहा है। जनवरी 2020 में स्टारलिंक कांस्टेलेशन अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह तारामंडल बन गया है और जुलाई 2022 तक इसके ऑर्बिट में 2700 से अधिक छोटे उपग्रह शामिल हैं।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीददारी से आई है। आज के कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 165.32 अंक करीब 0.22 फीसदी बढ़कर 73,667.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 3.05 अंक करीब 0.01 फीसदी बढ़कर अंत में 22,335.70 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों मारुति, इंफोसिस, टीसीएस और भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त रही। वहीं एसबीआई जेएसडब्ल्यू स्टील, आईटीसी, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, ग्रेसिम, अडानी पोर्टस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले गत दिवस बाजार में भारी गिरावट रही थी। वहीं आज सुबह घरेलू शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 42.52 अंक ऊपर 73,545.16 पर और निफ्टी 6.90 अंक ऊपर 22,339.60 पर कारोबार करता दिखा। प्री-ओपनिंग सेशन में बेंचमार्क इंडेक्स सपाट कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स 34.24 अंक ऊपर 73,536.88 पर और निफ्टी 16 अंक ऊपर 22,348.70 पर दिख रहा है।

गत दिवस कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 617 अंक कमजोर हुआ। वहीं निफ्टी में भी 161 अंक की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 616.75 अंक की भारी गिरावट के साथ 73,502.64 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स में 73,433.91 और 74,187.35 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 160.90 अंक की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,332.65 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में 22,307.25 और 22,526.60 के रेंज में कारोबार हुआ।

फ्लाई91 की वाणिज्यिक उड़ान सेवा 18 मार्च से शुरू होगी

पणजी। क्षेत्रीय एयरलाइन फ्लाई91 अपनी वाणिज्यिक सेवाएं 18 मार्च से शुरू करेगी। इसमें गोवा को बेंगलुरु और हैदराबाद से जोड़ने वाली उड़ानें शामिल हैं। इसके अलावा एयरलाइन बेंगलुरु और हैदराबाद से सिंधुदुर्ग के लिए उड़ानें भी संचालित करेगी। फ्लाई91 के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन अप्रैल से लक्षद्वीप के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना भी बना रही है। एयरलाइन को छह मार्च को विमानन नियामक डीजीसीए ने लाइसेंस दिया था। अ धिकारी ने मोपा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि फ्लाई91 के पास छह महीनों में कुल छह एटीआर 72-600 विमान होंगे। फिलहाल इसके बेड़े में दो विमान हैं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में फ्लाई91 की योजना लगभग 35 विमानों को बेड़े में शामिल करने और 50 शहरों को जोड़ने की है। जस्ट उड़ो एविएशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित एयरलाइन टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई संपर्क बढ़ाना चाहती है।

मारुति सुजुकी की कई कारें मिल रही हैं सस्ती

-ग्राहकों को दिए जा रहा है आकर्षक बेनिफिट्स

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों से मारुति सुजुकी कंपनी द्वारा ग्राहकों को आकर्षक बेनिफिट्स दिए जा रहा है। डिस्काउंट्स की रेंज अलग-अलग शहर में अलग-अलग हो सकती है। साथ ही ये स्टॉक भी निर्भर करता है। मारुति सुजुकी अपनी प्रतिस्पर्धी कीमत के लिए जाना जाता है और उसने अपने कुछ मॉडल्स पर 4,000 रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये तक की छूट की घोषणा की है। इग्निस नेक्सा रेंज की एक पॉपुलर गाड़ी है। मार्च के महीने में इसके मैनुअल और एएमटी वेरिएंट पर 79,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसके पेट्रोल वेरिएंट्स पर 48,000 रुपये तक और सीएनजी ट्रिम्स पर 33,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। बलेनो इग्निस की तरह सेम 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आता है। जो 90एचपी की पावर और 113एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। सियाज और एक्सएल6 की बात करें तो इन पर क्रमशः 53,000 रुपये और 20,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। ग्रांड विटारा सीएनजी पर टोटल 4,000 रुपये तक की वैल्यू के बेनिफिट्स दिए जा रहे हैं।

वहीं, दूसरे वेरिएंट्स पर 59,000 रुपये तक की छूट का फायदा ग्राहक उठा सकते हैं। ग्रांड विटारा हायब्रिड की बात करें तो इस पर 79,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है।

1.2 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आने वाले फोंकस मॉडल्स पर 20,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। वहीं, 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल वेरिएंट्स पर 55,000 रुपये तक के बेनिफिट्स का फायदा ग्राहक उठा सकते हैं। मार्च के महीने में जिम्नी पर सबसे बड़ी छूट दी जा रही है। ग्राहक इस पर 1.5 लाख रुपये तक टोटल बेनिफिट्स का फायदा उठा सकते हैं।

सेमीकंडक्टर कारोबार में प्रवेश कर सकता है अडानी समूह

- क्वालकॉम के सीईओ से मिले गौतम अडानी

मुंबई। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी क्वालकॉम के सीईओ क्रिस्टिआनो आर अमॉन से मिले। गौतम अडानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्वालकॉम के सीईओ से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), उभरती हुई टेक्नोलॉजी और भारत में सेमीकंडक्टर्स को लेकर अमेरिकी कंपनी का विजन से मैं प्रभावित हो गया। गौतम अडानी की क्वालकॉम के सीईओ से मुलाकात को लेकर कहा जा रहा है कि अडानी ग्रुप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में प्रवेश कर सकता है। अडानी ग्रुप के सीईओ ने लिखा कि क्वालकॉम के सीईओ से मुलाकात अच्छी रही। अमेरिका की चिप मेकर कंपनी क्वालकॉम दुनिया के अलग-अलग बाजारों को लेकर स्पष्ट नीति रखती है। भारत ने देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए तेजी से प्रयास किए हैं। अमेरिकी कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी का सेमीकंडक्टर प्लांट गुजरात के साणंद में बन रहा है। इस प्लांट में असेंबली, टेस्ट, मार्किंग और पैकेजिंग की जाएगी। माइक्रोन टेक्नोलॉजी इस प्लांट पर लगभग 22500 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। यह देश का पहला हाई एंड सेमीकंडक्टर फेब्रिकेशन प्लांट होगा। उम्मीद जताई जा रही है कि यह प्लांट 2024 के अंत तक काम शुरू कर देगा। यह प्लांट न सिर्फ सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए इकोसिस्टम तैयार करेगा बल्कि इससे जुड़े कच्चे माल के उत्पादन को भी बढ़ावा देगा। इसके अलावा हाल ही में सरकार को इजरायल की टावर सेमीकंडक्टर और टाटा ग्रुप से भी प्लांट बनाने के प्रस्ताव मिले थे। सरकार फिलहाल इन दोनों के अलावा कई कंपनियों के प्रस्ताव पर विचार कर रही है।

महिलाओं की म्युचुअल फंड में 21 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च 2017 में 15 फीसदी से बढ़कर दिसंबर 2023 में लगभग 21 फीसदी हो गई है। इस साल फरवरी में म्यूचुअल फंड के प्रबंधन के तहत कुल संपत्ति 50 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई, इसका कारण ये भी माना जा रहा है कि बड़ी संख्या में निष्क्रिय निवेशक बचत करने और ज्यादा कमाने का लक्ष्य बना कर म्यूचुअल फंड का रुख कर रहे हैं। यह जानकारी एएमएफआई यानी एसो सिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड के आंकड़ों से मिली है। एम्फी के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि विकास की यह गति इस अवधि के दौरान शहरी केंद्रों की तुलना में अविकसित या अल्पविकसित केंद्रों में अधिक थी। बी-30 शहरों में महिला पोर्टफोलियो और संपत्ति की हिस्सेदारी क्रमशः 15 फीसदी से बढ़कर 18 फीसदी और 17 फीसदी से 28 फीसदी हो गई है। एम्फी की ये रिपोर्ट क्रिसिल ने तैयार की, जिसमें कहा गया है कि लगभग 50 फीसदी महिला निवेशक 25-44 आयु वर्ग में आती हैं, जबकि व्यक्तिगत निवेशकों के कुल समूह में यह लगभग 45 फीसदी है। गोवा में म्यूचुअल फंड उद्योग में महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40 फीसदी है, इसके बाद पूर्वोत्तर राज्य 30 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चंडीगढ़, महाराष्ट्र और नई दिल्ली में भी प्रबंधनाधीन संपत्तियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 30 फीसदी से अधिक है। इसके अलावा, महिला म्यूचुअल फंड वितरकों की संख्या भी बढ़ी है। दिसंबर, 2023 तक इनकी संख्या 42,000 के स्तर पर पहुंच गई।

ऑयल इंडिया का 2023-24 में मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। ऑयल इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में मजबूत शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि राजस्व और मार्जिन में गिरावट देखी गई। तीसरी तिमाही में वित्त वर्ष 24 में ऑयल इंडिया का मुनाफा 1,584.3 करोड़ और राजस्व 5,323.7 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.3 फीसदी कम है। इस दौरान कंपनी का मार्जिन 39.6 फीसदी रहा। पिछले एक साल में ऑयल इंडिया के शेयरों में शानदार प्रदर्शन रहा है। इस अवधि में शेयर की कीमत में लगभग 140 फीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले तीन सालों में शेयर की कीमत में 390 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। 2024 में भी ऑयल इंडिया के शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। साल की शुरुआत से अब तक शेयर की कीमत में लगभग 70 फीसदी की वृद्धि हुई है।

फरवरी में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ीः सियाम

नई दिल्ली। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ गई है। उद्योग निकाय सियाम ने यह जानकारी देते हुए कहा कि स्पोर्ट यूटीलिटी वाहनों (एसयूवी) की बाजार पर पकड़ बरकरार है। ऑटो कंपनियों ने पिछले महीने डीलरों को कुल 3,70,786 यात्री वाहन भेजे, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,34,790 इकाई था। सियाम के एक अ धिकारी ने कहा कि यात्री वाहनों ने इस साल फरवरी में अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। यह आंकड़ा फरवरी 2023 की तुलना में 10.8 प्रतिशत बढ़कर 3.7 लाख इकाई रहा। समीक्षाधीन माह में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 35 प्रतिशत बढ़कर 15,20,761 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 11,29,661 इकाई थी। इसी तरह तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में 54,584 इकाई रही, जो पिछले साल समान माह में 50,382 इकाई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले फरवरी 2024 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में थोड़ी गिरावट हुई।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बदलीं

ब्रेंट क्रूड 0.22 फीसदी बढ़कर 83.83 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.14 फीसदी बढ़कर 80.19 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.22 फीसदी बढ़कर 83.83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं मंगलवार को कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ बदलाव देखा जा रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 5 पैसे और डीजल में 3 पैसे की गिरावट आई है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 1 पैसे महंगा हुआ है, जबकि डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में 9 पैसे और डीजल की कीमत में 7 पैसे का इजाफा हुआ है। बिहार में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10-10 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। मध्य प्रदेश में मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 55 पैसे और डीजल 53 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी दिख रही है। तेलंगाना में पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 56 पैसे सस्ता हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 102.86 रुपये और डीजल 94.46 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वनवेब को स्पेक्ट्रम जल्द मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारती समूह द्वारा समर्थित वनवेब ने स्पेक्ट्रम के लिए आवेदन कर दिया है और उसने उम्मीद जताई है कि रेडियो तरंगों का शीघ्र आवंटन हो जाएगा। ह्यूजेस कम्युनिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचसीआईपीएल) के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि कंपनी को इस साल जून तक वाणिज्यिक उपग्रह संचार सेवाएं शुरू होने की उम्मीद है। एचसीआईपीएल और वनवेब ने पूरे भारत में लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) संपर्क सेवाएं मुहैया कराने के लिए एक छह वर्षीय वितरण भागीदार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि वनवेब को भारत में शुरुआती बढ़त हासिल होगी, क्योंकि भारत में उसकी प्रतिस्पर्धी कंपनियां अभी विकास के विभिन्न चरण में हैं। वनवेब ने स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए दूरसंचार विभाग (डॉट) की वायरलेस योजना एवं समन्वय शाखा (डब्ल्यूपीसी) के पास आवेदन किया है। स्पेक्ट्रम आवंटित होने के बाद वनवेब वाणिज्यिक सेवाएं शुरू कर सकती है।उन्होंने उम्मीद जताई कि वनवेब 2024 की पहली छमाही में वाणिज्यिक सेवा शुरू करने में सक्षम हो सकेगी। उन्होंने कहा कि वनवेब कम आबादी वाले गांवों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थिति में है। एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक जैसी डायरेक्ट-टू-मोबाइल सेवा उपलब्ध कराने की वनवेब की कोई योजना नहीं है, क्योंकि यह तकनीक अभी विकसित हो रही है और परिपक्व नहीं है।

आरके स्वामी के शेयर 13 फीसदी कमजोर होकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। एकीकृत विपणन सेवा कंपनी आरके स्वामी लिमिटेड के शेयर मंगलवार को 288 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 13 प्रतिशत कमजोर होकर सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर एनएसई पर 13.19 प्रतिशत टूटकर 250 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 12.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 252 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। शुरुआती कारोबार में शेयर कीमत के आधार पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,420.93 करोड़ रुपये रहा। आरके स्वामी के 423.56 करोड़ रुपये के आईपीओ को 25.78 गुना अभिदान मिला था। आरके स्वामी लिमिटेड रचनात्मक क्षेत्र, मीडिया, डेटा एनालिटिक्स और बाजार अनुसंधान के लिए सेवाएं देती है।

स्पाइसजेट के वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन में रणनीतिक पुनर्गठन के तहत उसके वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक एयरलाइन के मुख्य परिचालन अधिकारी अरुण कश्यप और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने अपना इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि स्पाइसजेट के रणनीतिक पुनर्गठन के तहत मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। प्रवक्ता ने कहा कि हाल में पूंजी जुटाने के साथ ही कंपनी पिछले सभी विवादों के समाधान की प्रक्रिया तेज कर रही है और राजस्व तथा यात्रियों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि हो रही है।

शमी टी20 विश्वकप से बाहर हुए : जय शाह

ऋषभ के खेलने की संभावनाएं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। शमी को इसलिए शामिल नहीं किया गया है क्योंकि हाल में उनकी सर्जरी हुई है। ऐसे में उनके टी20 विश्वकप तक फिट होने की संभावनाएं नहीं हैं। शमी का बाहर होना भारतीय टीम के लिए एक करारा झटका है क्योंकि पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। मोहम्मद शमी की फरवरी में एड़ी की सर्जरी हुई है। वे अभी इससे उबर रहे हैं। ऐसे में उनके जून-जुलाई तक फिट होने की संभावनाएं नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के टी20 विश्वकप में खेलने की संभावनाएं बन रही हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शमी की फिटनेस को लेकर कहा। शाह ने कहा, 'शमी की सर्जरी हुई है। वह लंदन में सर्जरी कराने के बाद स्वदेश लौट आए हैं।' उन्होंने कहा कि शमी की वापसी बांग्लादेश के साथ होने वाली घरेलू सीरीज में हो सकती है। भारतीय टीम को बांग्लादेश के साथ सितंबर में 2 टेस्ट मैच और 3 टी20 मैच खेलने हैं। शमी ने भारत के लिए अपना अंतिम मैच पिछले साल 19 नवंबर को खेला था जो वर्ल्ड कप फाइनल था। इसके बाद से ही शमी भारतीय टीम से बाहर हैं। वहीं शाह ने ऋषभ को लेकर कहा कि वह तेजी से फिट हो रहे हैं। साथ ही कहा कि वह अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें शीघ्र ही फिट घोषित किया जा सकता है।

जायसवाल, एनाबेल सदरलैंड को फरवरी के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया

दुबई।

भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को फरवरी 2024 के लिए आईसीसी पुरुष खिलाड़ी ऑफ द मंथ का पुरस्कार दिया गया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। यशस्वी जायसवाल ने पिछले महीने बल्ले से खूब धूम मचाई। इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट की पहली पारी में दोहरे शतक (209) के साथ जायसवाल अपने प्रदर्शन के शीर्ष पर थे और फिर तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी (214) में श्रृंखला का अपना दूसरा दोहरा शतक लगाया। जायसवाल ने अपने पहले तीन टेस्ट मैचों में 560 रन बनाए, जिसमें 20 सिक्स शामिल थे। पहला टेस्ट हारने के बाद जायसवाल की पारी से भारत को सीरीज में वापसी करने में मदद मिली। 22 साल और 49 दिन की उम्र में बैक-टू-बैक दोहरे शतक ने उन्हें सर डोनाल्ड ब्रैडमैन और विनोद कांबली के बाद टेस्ट में दो दोहरे शतक बनाने वाला दुनिया का तीसरे सबसे युवा बल्लेबाज बना दिया। जायसवाल ने आईसीसी से कहा, ÷मैं आईसीसी पुरस्कार हासिल करके वास्तव में खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मुझे और पुरस्कार मिलेंगे। यह सर्वश्रेष्ठ में से एक है और यह मेरी पहली पांच मैचों की श्रृंखला है। मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया, जिस तरह से मैंने खेला है और हमने श्रृंखला 4-1 से जीती है। यह मेरे लिए एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। जायसवाल ने राजकोट में नाबाद 214 रन की पारी को भी अपने लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फरवरी में कई रिकॉर्ड बनाए और राजकोट पारी के दौरान एक टेस्ट पारी में सर्वाधिक छक्के (12) के लंबे समय से चले आ रहे टेस्ट रिकॉर्ड की बराबरी की। अपने श्रेय के लिए, उन्होंने मार्च में अपना फॉर्म बरकरार रखा और 1,000 टेस्ट रन के मील के पत्थर तक पहुंच गए।

साथ ही वो यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय बन गए। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड जीतने वाली पांचवीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गईं, जो पिछले विजेताओं एलिसा हीली, राचेल हेन्स, ताहलिया मैकग्रा और एश्ले गार्डनर के सम्मानित रैंक में शामिल हो गईं। सदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में अपने दोहरे शतक के साथ रिकॉर्ड बुक को फिर से लिखा।

टी20 विश्वकप में विराट, रोहित और शाकिब सहित एशियाई खिलाड़ियों का प्रदर्शन रहा है बेहतर

मुम्बई ।

वेस्टइंडीज और अमेरिका में आगामी टी20 विश्वकप के लिए सभी टीमें तैयारियों में लगी हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर प्रशंसकों को फटाफट क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा। 9वां टी20 विश्व जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। टी20 विश्वकप की सबसे पहले संस्करण की विजेता भारतीय टीम रही है। वहीं भारत के विराट कोहली और रोहित शर्मा और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन सहित एशियाई टीमों के खिलाड़ियों का इस टूर्नामेंट में दबदबा रहा है। सबसे अधिक मैच रोहित ने खेले है जबकि रन विराट और विकेट शाकिब ने लिए हैं। अब तक आठ बार हुए इस टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की सबसे अधिक दो-दो बार विजेता रही है। वहीं भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ने एक-एक बार जीत दर्ज की है। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की टीम भले ही सबसे अधिक बार यह टूर्नामेंट जीती हैं पर इसमें प्रदर्शन के मामले में एशियाई खिलाड़ी सब पर भारी पड़े हैं। भारत के रोहित और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ने अब तक के सभी आठ टी20 विश्वकप खेले हैं। ये दोनों ही खिलाड़ी इस बार भी टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। टूर्नामेंट में सबसे अधिक मैच खेलने, सर्वाधिक रन बनाने और सबसे अधिक विकेट भी एशियाई खिलाड़ियों ने ही लिए हैं। भारत के रोहित साल 2007 के शुरुआती टी20 विश्वकप से इस टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। टूर्नामेंट के आठ सत्र में उन्होंने अब तक सबसे अधिक 39 मैच खेले हैं। रोहित की तरह ही आठों टूर्नामेंट में खेले शाकिब ने 36 मैच खेले हैं जबकि श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान 2007 से 2016 के बीच छह टूर्नामेंट में 35 मैच खेलकर तीसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के हरफनमौला ड्वेन ब्रावो, पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी व शोएब मलिक और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर 34-34 मैचों के साथ इस सूची में संयुक्त रूप से चौथे क्रम पर हैं। वहीं विराट ने 27 मैचों में सबसे जयादा 1141 रन बनाये हैं। उनका 81.5 का औसत रहा है। 2012 से टी20 विश्वकप में खेल रहे विराट छठी बार टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। टेस्ट खेलने वाले देशों में टी20 में 50 से अधिक का औसत बनाने वालों में विराट एकमात्र खिलाड़ी हैं। 127 टी20 मैचों में उन्होंने अब तक 51.75 के औसत और 138.15 के स्ट्राइक रेट से 4037 रन बनाए हैं। टी20 विश्वकप यह रन औसत 81.5 तक जा पहुंचा है। वहीं दूसरे नंबर पर श्रीलंका के महेला जयवर्धने रहे हैं। उन्होंने पांच टी20 विश्वकप के 31 मैचों में 39.07 के औसत और 134.74 के स्ट्राइक रेट से 1016 रन बनाए हैं।

विराट के अलावा महेला ही इस टूर्नामेंट में एक हजार से अधिक रन बना सके हैं। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने 33 मैचों में 34.46 के औसत और 142.75 के स्ट्राइक रेट से 965 रन बनाये हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 39 मैचों में 34.39 के औसत और 127.88 के स्ट्राइक रेट से 963 रन बनाए हैं। ये दोनों रनों के मामले में तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। पांचवें क्रम पर श्रीलंका के दिलशान हैं जिन्होंने 35 मैचों में 30.93 के औसत और 124.06 के स्ट्राइक रेट से 897 रन बनाए हैं।

महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स ने यूपी वारियर्स को हराया

बेंगलुरु ।

गुजरात जायंट्स ने यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में यूपी वारियर्स को आठ रन से हरा दिया। ये गुजरात की इस लीग में दूसरी जीत है। इसी के साथ ही वारियर्स की प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें टूट गयी हैं। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स ने कप्तान बेथ मूनी के नाबाद 74 और साथी सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट के 43 रनों की सहायता से अच्छी शुरुआत की। इसके बाद गुजरात जायंट्स ने लगातार विकेट खोये जिससे टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 152 रन ही बना पायी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वारियर्स की टीम पांच विकेट पर 144 रन ही बना पायी। एशले गार्डनर 15 और कैथरीन ब्राइस 11 रन ही बना पायीं। सोफी एक्लेस्टोन ने तीन जबकि दीप्ति शर्मा 2 विकेट लिए। इसके बाद 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वारियर्स की ने शुरुआती विकेट खो दिये। कप्तान एलिसा हीली 4, किरण नवगिरे शून्य पर ही आउट हो गयीं।

दीप्ति शर्मा ने एक छोर संभाले रखा और नाबाद 88 रन बनाए और पूनम खेमनार ने 36 रन बनाकर यूपी वॉरियर्स की ओर से प्रयास जारी रखे। शबनम एमडी ने तीन विकेट लिए। दीप्ति ने अर्धशतक लगाया और छठे विकेट के लिए 109 रन बनाये पर अंत में टीम आठ रन से लक्ष्य हासिल करने से रह गयी। लेकिन प्रगति बहुत धीमी थी और यूपी वारियर्स ने अंत तक आगे बढ़ने के लिए खुद को बहुत बड़ी बाधा बना लिया। आखिरकार वे आठ रन से चूक गए।संक्षिप्त स्कोर ःगुजरात जायंट्स ने 20 ओवर में 152/8 (लौरा वोल्वार्ड्ट 43, बेथ मूनी 74 नाबाद; सोफी एक्लेस्टोन 3-38, दीप्ति शर्मा 2-22) ने यूपी वारियर्स को 20 ओवर में 144/5 (दीप्ति शर्मा 88 नाबाद, पूनम खेमनार 36), शबनम एमडी 3-11) आठ रन से हराया।

सूर्यकुमार आईपीएल के शुरुआती दो मैचों से बाहर हुए

नई दिल्ली।

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के शुरुआती दो मैच नहीं खेल पायेंगे। सूर्या के टखने की सर्जरी हाल में हुई है और वह अभी तक इससे उबर नहीं पाये हैं। अभी वह बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनके आईपीएल के शुरुआती दो मैचों में खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। सूर्या के बाहर होने से मुम्मई इंडियंस को करारा झटका लगा है। मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल में अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को गुजरात टाइटंस से खेलेगी। सूर्या फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं और ऐसे में वह आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर वापसी का प्रयास करेंगे। बीसीसीआई के अनुसार इस बल्लेबाज का रिहैबिलिटेशन सही रास्ते पर है और वह निश्चित रूप से आईपीएल के आगामी सत्र में वापसी करेगा। करेंगे। एनसीए की 'स्पोर्ट्स साइंस और मेडिकल टीम की मंजूरी के बाद ही वह गुजरात

टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 27 मार्च से शुरु हो रहे मैच में खेल सकेंगे। सूर्यकुमार के इंस्टाग्राम हैंडल को देखे तो उन्होंने स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग से जुड़े व्यायाम करते हुए कुछ वीडियो भी साझा किए हैं। उन्होंने हालांकि अभी तक बल्लेबाजी अभ्यास का कोई वीडियो साझा नहीं किया है। मुंबई इंडियन्स के शुरुआती मैच में अभी 12 दिन बाकी हैं ऐसे में इससे पहले फिट होने के लिए उनके पास काफी कम समय है। सूर्यकुमार मुंबई के सबसे अहम बल्लेबाजों में से एक है। उनके नाम 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4 शतक और 171 से अधिक के स्ट्राइक रेट के साथ 2,141 रन है।

आरसीबी इस बार जीत सकती है आईपीएल : पठान

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि इस बार 22 मार्च से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर टी20 लीग (आईपीएल) में आरसीबी जीत सकती है। इस टूर्नामेंट में आरसीबी का पहला मुकबला गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) से होगा। पठान के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन भी ऐसा ही मानते हैं। पठान ने आरसीबी की संभावनाओं को लेकर कहा कि टीम की बल्लेबाजी अच्छी है। इसके साथ ही सपाट पिचों पर उसके तेज गेंदबाज काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। पठान ने आरसीबी के पूर्व विराट कोहली की टीम के इस साल पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने की संभावनाओं को बेहतर बताया है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब लंबी हो गई है, जो कुछ समय पहले नहीं थी। और साथ ही, बहुत से लोग आरसीबी को अवसर नहीं दे रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी गेंदबाजी प्रभावी नहीं है।

मुझे भी लगता है कि गेंदबाजी बेहतर हो सकती थी, लेकिन उन्होंने जो किया है वह यह है कि उस पिच पर उनके पास एक्सप्रेस गति है। यदि आप चिन्नास्वामी की पिच जैसी सपाट पिचों पर लगातार 140 से अधिक की तेजी गेंदबाजी कर सकते हैं, तो कभी-कभी यह काम कर सकता है। इरफ़ान ने कहा कि विराट के लिए, यह एक बहुत ही खास पल होगा क्योंकि वह 2008 से ऐसा चाह रहे थे लेकिन वह उस ट्रॉफी को हासिल नहीं कर पाए। वहीं हेडन ने इस आईपीएल के लिए आरसीबी की संभावनाओं को लेकर कहा कि विराट ने 2023 में जिस तरह से प्रदर्शन किया, वह उनके 16 सीज़न में दूसरे स्थान पर था, इसलिए यह सिर्फ रन नहीं था, यह शीर्ष पर स्ट्राइक रेट था पर आरसीबी हमेशा इस टूर्नामेंट में विफल इसलिए रही है क्योंकि

उसके पास प्रभावी गेंदबाज नहीं थे।

पाक के पूर्व तेज गेंदबाज आमिर दर्शकों के फिक्सर कहने पर भड़के

लाहौर । यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में क्वेटा ग्लेडिएटर्स की ओर से खेल रहे पाक टीम के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। मैदान में आये दर्शकों ने उन्हें फिक्सर तक कह दिया। इससे आमिर बुरी तरह से भड़क गये। ये मामला पीएसएल के 28 वें मैच का है जो लाहौर कलंदर्स और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच हुआ। इस मुकाबले में क्वेटा ने अच्छी जीत हासिल की पर उसके गेंदबाज आमिर की इस मैच में प्रशंसकों ने जमकर हूटिंग की। आमिर जब वह फील्डिंग कर के वापस आ रहे थे तो प्रशंसक उन्हें फिक्सर-फिक्सर कह रहे थे। इस दौरान आमिर और प्रशंसकों के बीच झड़प भी हुई। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इस मैच के दौरान आमिर जब मैदान से बाहर आकर ड्रेसिंग रूम में जा रहे थे तो प्रशंसक उन्हें फिक्सर- फिक्सर कहने लगे। आमिर जब वहां से गुजरे तो उन्होंने एक प्रशंसक की आवाज सुन ली. तब आमिर वापस आए और उसे फटकारते हुए कहा कि घर से यही सीख कर आते हो। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। गौरतलब है कि आमिर को मैच फिक्सिंग के आरोप में साल 2010 में जेल जाना पड़ा था। इसमें उन्हें 6 महीने जेल की सजा हुई थी। स्पॉट फिक्सिंग के मामले में उनपर पांच सालों का प्रतिबंध भी लगा था। इसके बाद से ही आमिर अब टी20 लीग ही खेलते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई ने ऋषभ को फिट करार दिया, आईपीएल खेलने का रास्ता साफ

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को खेलने के लिए फिट करार दिया है। इस प्रकार ऋषभ अब एक बार फिर मैदान में खेलते हुए नजर आयेंगे। ऋषभ के फिट होने की इस खबर से उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। इस क्रिकेटर की आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स भी इससे उत्साहित है। ऋषभ आखिरी बार 25 दिसंबर 2022 में अंतिम बार मैदान पर उतरे थे। 30 दिसंबर हुए कार हादसे के बाद से ही वह खेल से दूर थे। तकरीबन दो महीने पहले से ही इस क्रिकेटर ने अभ्यास शुरु कर दिया था। उन्होंने कुछ अभ्यास मैच भी खेले हैं। अब बीसीसीआई ने भी उन्हें फिट करार दिया है। बीसीसीआई ने ऋषभ के फिट होने की सूचना सोशल मीडिया पर भी दी है। इसमें कहा गया है कि इस क्रिकेटर को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर फिट घोषित किया गया है. यह इस बात का भी संकेत है कि ऋषभ दिल्ली कैपिटल्स में कप्तान के तौर पर वापसी करेंगे। हाल ही में टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा भी था कि पंत बतौर कप्तान वापसी कर सकते हैं। वहीं साल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वॉर्नर ने की थी। .

दो साल तक पेट की बीमारियों से परेशान रहे देवदत्त

मुम्बई । क्रिकेटर देवदत्त पडिक्कल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से शानदार पदार्पण किया है। इससे पहले 2020 में अपने पहले आईपीएल में भी उन्हें अवार्ड मिला था। इस क्रिकेटर का करियर आसान नहीं रहा है। उन्हें दो साल तक बीमारी से संघर्ष करना पड़ा है। इससे उनकी बल्लेबाजी पर भी प्रभाव पड़ा है। इस बल्लेबाज को साल 2021 से 2023 तक खराब सेहत से परेशानी हुई। जब देवदत्त को टेस्ट कैप मिली तो आर अश्विन ने उनके लचीलेपन की प्रशंसा की। अश्विन ने मजबूत होने और कभी हार न मानने के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि कठिन समय आपको मजबूत बनाता है। उन्हें रणजी सहित घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के कारण टेस्ट कैप मिली थी। 2022 में देवदत्त पडिक्कल का वजन काफी कम हो गया था। उनकी बीमारी ने उन्हें कमज़ोर बना दिया और इसका असर उनकी बल्लेबाजी पर भी पड़ा। उन्हें फिर से मजबूत होने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उन्हें आंत संबंधी बीमारी थी। इसके कारण वह पेट में दर्द, दस्त और उल्टी से परेशान रहे। ये समस्याएं संक्रमण, कुछ गलत खाने, दवा के दुष्प्रभाव या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होती हैं। आंतों की समस्याओं का एक सामान्य कारण गैस्ट्रोएंटेराइटिस है, जो पेट और आंतों की सूजन है।

पंड्या आईपीएल में जीत के लिए कोच के साथ पूजा करते दिखे

मुंबई ।

आईपीएल के 17 सत्र में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी करने जा रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या जीत के लिए पूजा करते नजर आये। इस दौरान उनके साथ टीम के कोच मार्क बाउचर भी थे। हार्दिक को 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल के लिए रोहित शर्मा की जगह पर मुंबई इंडियंस (एमआई) का नया कप्तान बनाया गया है। वहीं अब एमआई के एक वीडियो में पंड्या को ड्रेसिंग रूम में प्रवेश करते और मुख्य कोच मार्क बाउचर के साथ पूजा करते देखा गया है। गौरतलब है कि गत वर्ष नवंबर में पंड्या गुजरात टाइटंस (जीटी) से अपनी पहले वाली टीम मुम्बई में वापस आ गये थे। उनकी कप्तानी में गुजरात एक बार विजेता भी बनी। वहीं दूसरे साल उपविजेता रही। गुजरात के लिए 31 मैचों में पंड्या ने 37.86 की औसत और 133 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 833 रन बनाए है। जिसमें छह अर्धशतक भी शामिल हैं। पंड्या ने साल 2015 से 2021 तक एमआई के लिए 92 मैच खेलकर 27.33 की औसत और 153 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,476 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक भी शामिल है। उन्होंने टीम के लिए 42 विकेट भी लिए। पंड्या ने 5 आईपीएल ट्रॉफी भी जीती हैं, जिनमें से 4 एमआई (2015, 2017, 2019, 2020) और जीटी (2022) के साथ हैं।

रॉय आईपीएल से हटे , केकेआर ने सॉल्ट को शामिल किया

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम ने बल्लेबाज जेसन रॉय की जगह पर आईपीएल 2024 के लिए फिल सॉल्ट को अपनी टीम में शामिल किया है। इससे पहले रॉय ने निजी कारणों से आईपीएल से नाम वापस ले लिया था। आईपीएल के ठीक पहले रॉय का बाहर होना केकेआर के लिए करारा झटका है। केकेआर ने हालांकि इसे स्वीकार करते हुए सॉल्ट के रुप में एक विकल्प रखा है। केकेआर ने उन्हें 1.5 करोड़ रुपये आधार मूल्य पर शामिल किया है।.आईपीएल की ओर से कहा गया कि केकेआर ने निजी कारणों से आगामी आईपीएल 2024 से बाहर होने की घोषणा की है। उनकी जगह पर शामिल सॉल्ट का बेस प्राइट 1.5 करोड़ रुपए था पर किसी फ्रेंचाइजी को उनमें रुचि नहीं थी। इस कारण वह नहीं बिके। वह इससे पहले भी आईपीएल खेले हैं। साल 2023 के आईपीएल में वह दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरे थे पर खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें दिल्ली ने बाहर कर दिया था। वहीं अब तक आईपीएल में सॉल्ट ने 9 मुकाबले खेले हैं। जिसमें उन्होंने 27 के औसत से 218 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 87 का रहा है। अब देखना होगा कि इस साल वह आईपीएल में केकेआर की ओर से कैसा प्रदर्शन करते हैं।

सुकून और सुंदरता

का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।
- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी

बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें

खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।